केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 246 बुधवार 1 अप्रैल 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

लूट काण्ड का आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मुंडेरवा पुलिस ने 31 मार्च 2026 को लूटकांड के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी सुभाष पुत्र वंशलोचन उर्फ टासी को संतकबीरनगर जिले के चगेरा मंगेरा स्थित उसके घर से पकड़ा गया। उसे माननीय न्यायालय में पेश किया गया।

थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी सुभाष वर्ष 1985 के एक लूटकांड (अपील सं0 2214/1985, धारा 395 भादवि) में आरोपित था। वह न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था, जिसके कारण उसके खिलाफ वारंट जारी किया गया था।

यह गिरफ्तारी पुलिस अधीक्षक बस्ती डॉ. यशवीर सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत और क्षेत्राधिकारी रुधौली कुलदीप सिंह यादव के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में मुंडेरवा पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की।

गिरफ्तार आरोपी सुभाष की उम्र लगभग 55 वर्ष है और वह संतकबीरनगर के कोतवाली थाना क्षेत्र के चगेरा मंगेरा का निवासी है। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक गिरीश चंद्र यादव भी शामिल थे।

दुष्कर्म के दोषी को उम्रकैद की सजा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनपद में में चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन अभियान के तहत पुलिस और पैरवी सेल की प्रभावी कार्रवाई के परिणामस्वरूप दुष्कर्म के एक मामले में आरोपी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने दोषी पर 25 हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है।

मामला 4 मार्च 2022 को शुरू हुआ था। जब वादी ने थाना सोनहा में एक तहरीर दी थी। इस तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया था। इसमें अंकलेश वर्मा पुत्र रामसुभाष वर्मा, निवासी ग्राम वाहिद चक को आरोपी बनाया गया था। पुलिस ने मामले की विवेचना पूरी कर आरोप पत्र कोर्ट में प्रस्तुत किया। एसपी के निर्देशन में पैरवी सेल और थाना सोनहा पुलिस ने इस प्रकरण में सशक्त और प्रभावी पैरवी की। अभियोजन पक्ष ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत में अपनी बात मजबूती से रखी।

इन सभी प्रयासों के परिणामस्वरूप अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एडीजे) प्रथम, बस्ती की अदालत ने अभियुक्त अंकलेश वर्मा को दोषी करार दिया। अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई और उस पर 25 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया।

रेल की पटरी पर युवक का शव बरामद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गोरखपुर–लखनऊ रेलखंड पर ऊंचगांव–जमोहे टेढ़ी गुमटी ओवरब्रिज के पास डाउनलाइन ट्रैक पर एक 25 वर्षीय युवक का शव मिला। सूचना मिलने पर डायल 112 की टीम और थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। थाना प्रभारी प्रदीप कुमार सिंह ने जांच–पड़ताल शुरू की। मृतक की पहचान मुंडेरवा थाना क्षेत्र के धौरहरा निवासी मुस्ताक अहमद के पुत्र सन्नी कुरैशी (25) के रूप में हुई। शव जमोहे फ्लाईओवर के नीचे पोल संख्या 558/14 और 558/16 के बीच डाउन ट्रैक पर पाया गया।

मृतक की मां सलमा खातून के प्रार्थना पत्र के आधार पर मुंडेरवा पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्यवाही शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि मृतक की मां की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

होर्मुज जाओ, अपना तेल लाओ हम नहीं करेंगे मदद–ट्रंप

वाशिंगटन (आभा)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि जिन देशों ने ईरान युद्ध में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है, उन्हें अब हिम्मत जुटानी चाहिए। वे होर्मुज स्ट्रेट जाएं और उस पर कब्जा कर लें। अमेरिका अब उनकी कोई मदद नहीं करेगा।

ईरान के साथ चल रहे युद्ध को एक महीने से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन मध्य पूर्व में तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच वैश्विक स्तर पर तेल और गैस की आपूर्ति को लेकर कोहराम मचा हुआ है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को इस

मुद्दे पर तीखा बयान देते हुए कहा कि युद्ध में हिस्सा न लेने वाले लेकिन ईंधन संकट से जूझ रहे देश अब खुद हार्मुज स्ट्रेट जाकर अपना तेल लाएं। हम उनकी कोई मदद नहीं करेंगे।

ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप ने लिखा कि जिन देशों ने हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है, उन्हें अब हिम्मत जुटानी चाहिए। वे जलडमरूमध्य जाएं और उस पर कब्जा कर लें। अमेरिका अब उनकी कोई मदद नहीं करेगा।

न बकाया मिला न शटरिंग का सामान पीड़ित ने लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गनेशपुर वार्ड सं. 5 लोहिया नगर निवासी दलित अजय कुमार छत लगाने के लिये शटरिंग का कार्य करता है। उसने कोतवाली थाना क्षेत्र के राजा चक भद्रेश्वरनाथ निवासी शिवा गोस्वामी के नये मकान के छत के निर्माण में शटरिंग का अपना सामान लगाया था। इसके लिये उसे एक लाख अट्ठाइस हजार रुपया प्राप्त होना था। शिवा गोस्वामी के पिता रविन्द्र गोस्वामी ने उन्हें 25 हजार रूपया दिया शेष राशि शटरिंग खुलने के बाद मिलना था। काम पूरा होने के बाद जब उसने एक लाख तीन हजार मांगना शुरू किया तो शिवा गोस्वामी और उनके पिता रविन्द्र गोस्वामी, नगर थाना क्षेत्र के पिपरा गौतम निवासी चिन्दू पाण्डेय और प्रकाश यादव बकाया धनराशि और शटरिंग का सामान देने में आना कानी करने लगे। गत 25 दिसम्बर 2025 को जब वह बकाया रूपया और शटरिंग का सामान लेने पहुंचा तो उक्त लोगों ने जाति सूचक

गालियां देते हुये उसे मारा पीटा और कहा कि न तो बकाया धनराशि देंगे न शटरिंग का सामान । उसने घटना की सूचना पुलिस अधिकारियों को दिया और बाद में न्यायालय के निर्देश पर 27 दिसम्बर 2025 को उक्त लोगों के विरूद्ध कोतवाली थाने में नामजद मुकदमा दर्ज हुआ। इसके बावजूद पुलिस ने न तो दोषियों के विरूद्ध कोई कार्रवाई किया और न ही सामान सहित कुल धनराशि दिलाया गया। उसने दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और सामान सहित बकाया धनराशि दिलाये जाने की मांग पुलिस उच्चाधिकारियों से किया है।

पांच माह बाद भी विद्युत विभाग ने नही दिया सूचना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बनकटी (बस्ती)। विद्युत उपखण्ड देईसांड के महादेवा बाजार निवासी राजेश कुमार उपाध्याय पुत्र स्व परमात्मा प्रसाद उपाध्याय ने अधिशाषी अभियंता विद्युत वितरण खण्ड पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड बस्ती से जन सूचना अधिकार अधिनियम की धारा 6(1) के अधीन सूचना प्राप्त करने के लिए पंजीकृत पत्र द्वारा दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को भारतीय पोस्टल आर्डर संख्या 71 ए 271291संलग्न प्रार्थना पत्र देकर विद्युत विच्छेदन और सयोजन शुल्क के रूप में प्राप्त सम्पूर्ण धन राशि एवम उसके उपयोग के सम्पूर्ण विवरण की प्रमाणित प्रतिलिप उपलब्ध कराए जाने सहित निम्न विंदुओ की सूचना की मांग किया था।लेकिन विभागीय उदासीनता और मनमानी के चलते जन सूचना अधिकार के नियमो की अनदेखी करते हुए उपभोक्ता को पांच माह बाद भी सूचना उपलब्ध नहीं कराई गई।

इस सन्दर्भ में विद्युत वितरण खण्ड तीन(3) के अधिशाषी अभियंता सुधांशु श्रीवास्तव से पूछे जाने पर उन्होने ने बताया कि विभाग के जन सूचना पोर्टल पर हमारे वहां कोई पेंडेंसी (मामला लम्बित)नहीं है।अगर किसी भी उपभोक्ता का इस तरह का कोई प्रकरण है।तो वह उसका आवेदन संख्या उपलब्ध करवा दे तो उसका अविलंब निस्तारण करवा दिया जाएगा।

गोसेवा आयोग उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने किया श्री आटो मोबाइल्स पेट्रोल पम्प का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मंगलवार को गोसेवा आयोग उपाध्यक्ष दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री महेश शुक्ल ने बड़े चन के निकट श्री आटो मोबाइल्स पेट्रोल पम्प का विधि विधान से उद्घाटन किया। कहा कि युद्ध को लेकर ऊर्जा संकट के दौर में एक और पेट्रोल खुल जाने से लोगों को सुविधा होगी।

पेट्रोल पम्प के प्रबंधक ओम नारायण पाण्डेय ने बताया कि इस पेट्रोल पम्प से लोगों को बेहतर सेवा देना हमारी प्राथमिकता है। गुणवत्ता और नाप से कोई समझौता नहीं किया जायेगा।

उद्घाटन अवसर पर मुख्य रूप से विधायक राजेन्द्र चौधरी, पुरुषोत्तम पाण्डेय, अशोक पाण्डेय, डा. आशीष नारायण त्रिपाठी, राकेश पाण्डेय, अजय पाण्डेय, मो. सईद, मो. आलम, विवेक गिरोत्रा, चन्द्रशेखर मुन्ना, मनमोहन श्रीवास्तव 'काजू', विजय पाल, राकेश गुप्ता, अमित गुप्ता, अनिल कुमार मिश्र, सन्तोष पाण्डेय, अशोक सिंह, संजय सिंह, सुधांशु चौधरी, इण्डियन आयल के अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

प्रेम प्रसंग में युवक की हत्या मामले में विवेचना का आदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सीजेएम आशीष कुमार राय ने कप्तानगंज थाना क्षेत्र के रतासी निवासी शिवानिगम की प्रेम प्रसंग में हत्या मामले में कप्तानगंज के थाना प्रभारी को सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विवेचना करते हुये 15 दिन के भीतर अवगत कराने का आदेश दिया है। मामले की पैरवी अधिवक्ता सौरभ मिश्रा और करूणेश प्रताप पाल ने किया।

घटनाक्रम के अनुसार कप्तानगंज थाना क्षेत्र के रतासी निवासी शिवानिगम का गांव की ही एक लड़की से प्रेमप्रसंग था। इसे लेकर लड़की के पिता, चाचा और तीन अन्य लोगों ने शिवानिगम को पहले मारा पीटा फिर दुपट्टे से गलाकर कसकर शव को पेड़ पर लटका दिया। कप्तानगंज पुलिस ने इसे आत्महत्या घोषित कर दिया। शिवानिगम के पिता बाबूलाल ने सीजेएम आशीष कुमार राय की अदालत में मुकदमा दायर किया। अधिवक्ता सौरभ मिश्रा और करूणेश प्रताप पाल ने अदालत के समक्ष महत्वपूर्ण बिन्दुओं को रखा इसके बाद मामले में विवेचना का आदेश दिया गया है।

यूपी में गेहूं ,चना, मसूर, सरसो की खरीद 2 से: किसानों के खाते में होगा सीधा भुगतान

लखनऊ (आभा)। योगी सरकार ने यूपी के किसानों को एक नई और बड़ी खुशखबरी दी है। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने मंगलवार को रबी के दलहनी– तिलहनी फसलों की न्यूनतम समर्थन मूल्य पर होने वाली सरकारी खरीद का खुलासा करते हुए बताया कि इस बार चने का एमएसपी 5875 रुपये प्रति कुंतल, मसूर का 7000 रुपये प्रति कुंतल, सरसों का 6200 रुपये प्रति कुंतल और अरहर का 8000 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित किया गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) किसानों के लिए सुरक्षा कवच होता है। भारत सरकार दो एजेंसी नैफेड और एनसीसीएफ को राज्य सरकार की एजेंसी खरीद कर उन्हें सप्लाई करेगी। राज्य सरकार की एजेंसी पीसीएफ, यूपीएसएस सहित 4 एजेंसियां खरीद करेंगी। इसका भुगतान किसानों को उनके खाते में किया जाएगा। उन्होंने कहा कि योगी सरकार के पहले किसी भी सरकार में दलहन व तिलहन की खरीद का प्रयास नहीं होता था।

मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि

इस बार प्रदेश में चना 2.24 लाख मीट्रिक टन (कुल उत्पादन का 25:), मसूर 6.77 लाख मीट्रिक टन (कुल उत्पादन का 100:), सरसों 5.30 लाख मीट्रिक टन (कुल उत्पादन का 25:) और अरहर 1.14 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य तय किया गया है। उन्होंने कहा कि फसलों की खरीद 02 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 तक 90 दिनों की अवधि में की जाएगी। शाही ने कहा कि मूल्य समर्थन योजना केन्द्र सरकार की एक महत्वपूर्ण राज्य संचालित योजना है जिसका उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाना है। इस योजना के तहत सरकार किसानों से दलहनी और तिलहनी फसलें पूर्व–निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीदती है, जो अक्सर बाजार दर से अधिक होती है।

इस योजना के तहत खरीद के लिए दो केंद्रीय एजेंसियां (नैफेड और एनसीसीएफ) और चार राज्य स्तरीय एजेंसियां (यूपीपीसीयू, यूपीपीसीएफ, जैफेड और यूपीएसएस) नामित हैं। पारदर्शिता सुनिश्चित करने और वास्तविक किसानों की पहचान के लिए प्रत्येक क्रय केंद्र पर आधार–सक्षम पीओएस मशीनें स्थापित की गई हैं, जिससे भुगतान डीबीटी के माध्यम से आधार–लिंक्ड खातों में हो सके। पिछले रबी विपणन वर्ष 2025–26 में राज्य स्तरीय क्रय एजेंसियों द्वारा 141 क्रय केंद्र खोले गए थे। इस वर्ष नैफेड और एनसीसीएफ द्वारा सीधी खरीद के लिए कुल 190 क्रय केंद्र खोले जाने का प्रस्ताव है, और राज्य स्तरीय एजेंसियां भी अपने क्रय केंद्र खोलेंगी। पिछले रबी विपणन वर्ष 2025–26 में चने के 95,250 मीट्रिक टन के लक्ष्य के सापेक्ष 4.85 मीट्रिक टन, मसूर के 1,56,000 मीट्रिक टन के लक्ष्य के सापेक्ष 34,271 मीट्रिक टन, सरसों के 5,12,113 मीट्रिक टन के लक्ष्य के सापेक्ष 264 मीट्रिक टन और अरहर के 97,890 मीट्रिक टन के लक्ष्य के सापेक्ष 17,435 मीट्रिक टन की खरीद हुई, जिससे कुल 20,385 किसान लाभान्वित हुए।

यूपी के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि भारत सरकार ने हमें एमएसपी पर खरीद के लिए कुछ छूट और दी है। राज्य सरकार गेहूं के अलावा दलहनी–तिलहनी फसलों की भी खरीद कराएगी।

किडनी ट्रांसप्लांट का पर्दाफांस, 10 गिरफ्तार

कानपुर (आभा)। कल्याणपुर में अवैध तरीके से किडनी ट्रांसप्लांट करने का मामला सामने आया है। एक अस्पताल में उत्तराखंड के युवक से करीब दस लाख रुपये में किडनी खरीदने का सौदा हुआ। किडनी निकलवाने के बाद दलाल ने उसे जरूरतमंद मरीज को 90 लाख रुपये से अधिक में बेच दिया। अवैध तरीके से की गई किडनी की इस खरीद–फरोख्त का सुराग लगने पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने अस्पतालों में छापा मारा। पुलिस ने दलाल, अस्पताल संचालक,

डॉक्टर दंपती समेत दस लोगों को हिरासत में लिया है। कानपुर के किडनी रैकेट के खुलासे के बाद क्राइम ब्रांच और पुलिस की टीमें इसकी जड़ें तक खंगालने में जुट गई हैं। टीम ने आरोपी शिवम को हिरासत में लेकर कई घंटों तक पूछताछ की। उसने पुलिस को बताया है कि कैसे किडनी खरीद का काला धंधा चलता है।

भाजपा के स्थापना दिवस को लेकर व्यापक तैयारी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस (06 अप्रैल 2026) को लेकर मंगलवार को भाजपा जिला कार्यालय, बस्ती पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने विस्तृत योजना पर चर्चा करते हुए सभी कार्यक्रमों को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी ढंग से आयोजित करने का आह्वान किया।

बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने कहा कि "यह हम सभी के लिए अत्यंत हर्ष एवं गर्व का विषय है कि विश्व का सबसे बड़ा राजनीतिक दल भारतीय जनता पार्टी अपना स्थापना दिवस 6 अप्रैल को मनाता है। देशभर में करोड़ों कार्यकर्ता इस दिवस को उत्साह और सेवा भाव के साथ मनाते हुए 'राष्ट्र प्रथम' के मूल मंत्र को

आत्मसात करते हैं।"

बैठक में स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। इसके अंतर्गत 5 से 7 अप्रैल तक पार्टी कार्यालयों को सजाने, 6 अप्रैल को ध्वजारोहण एवं मिष्ठान वितरण, बूथ स्तर पर कार्यक्रम, घर–घर ध्वज लगाकर सोशल मीडिया पर प्रसार, तथा 8 अप्रैल को जिला स्तरीय सक्रिय कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया गया।

इसके साथ ही 7 से 12 अप्रैल तक ग्राम एवं बस्ती संपर्क अभियान चलाकर स्वच्छता कार्यक्रम, वरिष्ठ कार्यकर्ताओं का सम्मान, बुद्धिजीवियों से संवाद एवं सरकारी योजनाओं के प्रचार–प्रसार पर विशेष जोर दिया जाएगा।

बैठक में अभियान संयोजक दिलीप पाण्डेय ने मंच संचालन किया। राजेश पाल चौधरी, चंद्रशेखर मुन्ना, दयाराम चौधरी, रवि सोनकर सहित जिले के पदाधिकारी एवं मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

जन्म दिन पर याद किये गये पूर्व आईएएस मेधा संस्थापक स्व0 लक्ष्मीकान्त शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पूर्व आईएएस मेधा संस्थापक स्व0 लक्ष्मीकान्त शुक्ल को उनके 73 वें जन्म दिन पर याद किया गया। प्रेस क्लब सभागार में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में मेधा प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि छात्रों को आर्थिक आधार पर शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति की सुविधा, जाति मुक्त संविधान की परिकल्पना देने वाले लक्ष्मीकान्त को सेवा काल में ही जाति राज पुस्तक लिखने के कारण बसपा की सरकार में उत्पीड़न का शिकार होना पड़ा। उनकी किताब जातिराज को तत्कालीन सरकार ने प्रतिबंधित कर दिया इसके बावजूद वे डिगे नहीं और शिक्षा, के सवाल पर सड़क से सर्वोच्च न्यायालय तक आखिरी सांस तक लड़ते रहे। उनकी प्रेरणा से मेधा लगातार शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति की सुविधा के सवाल पर संघर्षरत है और इसके बेहतर परिणाम सामने आ रहे हैं।

दीन दयाल तिवारी ने कहा कि यदि लक्ष्मीकान्त शुक्ल के संकल्पों, सिद्धान्तों का दृढता से पालन हो तो अनेक समस्याओं का समाधान हो जायेगा। कहा कि मेधा उनके सपनों को पूरा करने की दिशा में निरन्तर प्रयत्नशील है। कहा कि शिक्षा के बाजारीकरण, कमीशनखोरी से अभिभावक त्रस्त है, प्रति वर्ष कमाई के नजरिये से किताबें बदली जा रही है, प्रतिवर्ष रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर अभिभावकों को आर्थिक रूप से कंगाल किया जा रहा है। मेधा इन सवालों को लेकर निरन्तर संघर्षरत है।

स्व0 लक्ष्मीकान्त शुक्ल के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन् करने वालों में उमेश पाण्डेय 'मुन्ना', प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, डा. वी.के. वर्मा, वृजेश दूबे, राहुल तिवारी, अंशू चौरसिया, राकेश पाण्डेय, विपुल सिं, गिरीश चन्द्र गिरी, विजय पाण्डेय, जमील अहमद, रामरीका पाण्डेय, विपुल पाण्डेय, प्रतीक मिश्र आदि ने मेधा द्वारा शिक्षा क्षेत्र में बदलाव के लिये किये जा रहे अभियान के पहल का स्वागत करते हुये पूर्व आईएएस मेधा संस्थापक स्व0 लक्ष्मीकान्त शुक्ल को नमन् किया।

–शिक्षा के बाजारीकरण के विरोध में जारी रहेगा आन्दोलन–दीन दयाल त्रिपाठी

मेधावी छात्रों को पुरस्कृत कर विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी ने बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। विकास क्षेत्र सल्टौआ स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय मझौआ बाबू में विद्यालय के वार्षिकोत्सव एवं अंक पत्र वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन करके किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रुधौली के विधायक राजेन्द्र प्रसाद चौधरी ने कहा कि प्राथमिक शिक्षा बच्चों के भविष्य की नींव होती है। उन्होंने विद्यालय के शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आज सरकारी विद्यालय प्राइवेट विद्यालयों से कही बेहतर और गुणवत्तापरक शिक्षा देते है। विशिष्ट अतिथि ग्राम प्रधान विनोद कुमार राजभर ने विद्यालय के विकाश में हर संभव योगदान देने की बात कही।

कार्यक्रम में कक्षा 6, 7 व 8 में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि ने शील्ड व मेडल देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त कर बच्चों के चेहरे खिल उठे। विद्यालय के छात्र छात्राओं द्वारा इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रताप नारायण चौधरी ने विद्यालय के वार्षिक योजना की रुपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन विजय प्रकाश चौधरी ने किया जबकि आभार ज्ञापन विद्यालय के सहायक अध्यापक अब्दुल कादिर द्वारा किया गया।इस अवसर पर प्रमुख रूप से राम भरत वर्मा, राम जीत चौधरी, प्रभाकर पटेल,सौरभ पदमाकर,अरुण कुमार शुक्ल,वेद प्रकाश चौधरी, राजेंद्र कुमार चौधरी,सुरेंद्र प्रसाद पटेल,अनूप कुमार शुक्ल और उर्मिला वर्मा के साथ तमाम अभिभावक और ग्रामवासी उपस्थित रहे।

–वार्षिकोत्सव में सांस्कृतिक कार्यकमों की धूमः अंक पत्र का वितरण

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 अप्रैल 2026 बुधवार

सम्पादकीय

डिजिटल जनगणना

डिजिटल जनगणना पारंपरिक कागज—पत्रों के स्थान पर मोबाइल एप, वेब पोर्टल और वास्तविक समय की निगरानी का उपयोग करके की जाएगी। इससे एक तो जनगणना का विवरण तेजी के साथ एकत्रित होगा और दूसरे त्रुटियों को भी कम करने में सहायता मिलेगी। डिजिटल जनगणना होने के कारण ब्योरा सीधे सर्वर पर पहुंचेगा, जिससे प्रक्रिया कहीं अधिक तेज एवं सटीक होगी।

इस जनगणना की एक खासियत यह भी होगी कि लोग अपनी जानकारी स्वयं दर्ज कर सकेंगे। लोगों को यह काम नीर—क्षीर ढंग से करना होगा, क्योंकि जनगणना आयुक्त ने स्पष्ट किया है कि जनगणना के दौरान जुटाए गए विवरण को पूरी तरह गोपनीय रखा जाएगा। स्वतंत्रता के बाद होने जा रही आठवीं जनगणना की महत्ता केवल इसलिए नहीं है कि यह डिजिटल रूप में होगी, बल्कि इसलिए भी है कि स्वतंत्र भारत में पहली बार जातियों का विवरण भी एकत्र किया जाएगा।

स्पष्ट है कि इस जनगणना के माध्यम से देश की सामाजिक—आर्थिक एवं जातीय स्थिति की अपेक्षाकृत अधिक परिपूर्ण तस्वीर सामने आएगी, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जानी चाहिए कि जातीय जनगणना एक ओर जहां विभिन्न जातियों के संख्याबल को सामने रखेगी, वहीं दूसरी ओर कई धारणाओं को ध्वस्त करने का भी काम करेगी, क्योंकि अलग—अलग जातीय समूहों ने अपने संख्याबल अथवा अपनी आर्थिक—सामाजिक स्थिति को लेकर अलग—अलग दावे कर रखे हैं।

इन दावों पर पूरी तरह इसलिए भरोसा नहीं किया जा सकता, क्योंकि देश में 1931 के बाद जातिगत जनगणना हुई ही नहीं। यह मानना सही नहीं होगा कि जातियों की जो संख्या और स्थिति करीब सौ वर्ष पहले थी, वह आज भी है। एक दृष्टि से यह अच्छा ही है कि जनगणना के साथ ही जातियों का ब्योरा भी सामने आ जाएगा, लेकिन इसकी आशंका भी है कि इस ब्योरे के आधार पर कहीं जातिवाद की राजनीति बेलगाम न हो जाए। यदि ऐसा हुआ तो यह अच्छा नहीं होगा।

इसलिए नहीं होगा, क्योंकि जातिवादी राजनीति विभाजन और वैमनस्य को जन्म देती है। उचित यह होगा कि सरकार ऐसे उपाय करे जिससे जातिगत जनगणना का इस्तेमाल जातिवाद और साथ ही वोट बैंक बनाने वाली आरक्षण की स्वार्थी राजनीति के तौर पर न किया जा सके। यह समझने की जरूरत है कि जनगणना का उद्देश्य किसी के भी संकीर्ण राजनीतिक हितों की पूर्ति के लिए नहीं, बल्कि शासन की नीतियों को प्रभावशाली तरीके से बनाने और उन्हें लागू करने के लिए होता है।

शांति समझौते की पहल

अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते के लिए पाकिस्तान में बातचीत शुरू हो गई। सऊदी अरब, तुर्किये और इजिप्ट के विदेश मंत्री भी इस्लामाबाद पहुंचे हैं। एक दिन पहले यानी शनिवार को अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भरोसा जताया था कि युद्ध कुछ हफ्तों में खत्म हो जाएगा। पश्चिम एशिया में बढ़ती अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी से जुड़ी चिंताओं को भी उन्होंने यह कहकर खारिज कर दिया था कि युद्ध में थल सेना की जरूरत नहीं पड़ेगी।

यह पूरा सीन उम्मीदें जगाने वाला भी लगता है, लेकिन इसके साथ कई बड़ी चुनौतियां भी हैं। ईरान ने अमेरिका से सीधे बातचीत से इनकार कर दिया है, यानी अब दोनों के बीच संवाद के लिए कोई तीसरा पक्ष सामने आएगा। अमेरिका ने समझौते के लिए जो शर्तें रखी हैं, ईरान उससे इनकार करता आ रहा है। सऊदी अरब का रुख भी अहम रहेगा, क्योंकि खबरें हैं कि वह ईरान पर अमेरिकी हमले के समर्थन में भी था।

फिर शनिवार को ईरान समर्थित हूती विद्रोही भी जंग में शामिल हो गए, जिससे स्थिति और जटिल हो गई। इस्राइल भले ही कह रहा है कि वह कई मोर्चों पर लड़ने के लिए तैयार है, लेकिन हालात पहले से अलग और चुनौतीपूर्ण हैं। लेबनान में हिजबुल्लाह के साथ टकराव जारी है, जबकि गाजा में भी बड़े पैमाने पर सैन्य संसाधन लगे हुए हैं। ऐसे में इस्राइल पर दबाव और बढ़ता दिख रहा है।

इस लड़ाई का दुनिया पर बुरा असर पड़ रहा है। यूं तो डॉनल्ड ट्रंप दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि होर्मुज स्ट्रेट बंद होने से अमेरिका पर फर्क नहीं पड़ेगा, लेकिन वहां गैस के दाम 35: तक बढ़ चुके हैं, जबकि यूरोप में 80: तक। यह मामूली बात नहीं कि ट्रंप को सत्ता संभाले सवा साल भी नहीं हुए और उन्हें तीसरी श्नो किंग्स रैलीश का सामना करना पड़ा। इस बार ट्रंप विरोधी विरोध—प्रदर्शन पूरे अमेरिका के अलावा यूरोप के कई देशों में भी हुए।

माओवादी मुक्ति से शांति और संतुलन की संभावनाएं

—ललित गर्ग—

भारत जैसे विशाल, विविधतापूर्ण और लोकतांत्रिक राष्ट्र के सामने आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियां हमेशा से बहुआयामी रही हैं। इन चुनौतियों में नक्सलवाद या माओवादी हिंसा एक ऐसी समस्या रही, जिसने दशकों तक देश की आंतरिक शांति, विकास और सुशासन को गंभीर रूप से प्रभावित किया। विशेषकर छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार और आंध्र प्रदेश के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में माओवादी गतिविधियों ने न केवल विकास को अवरुद्ध किया, बल्कि हजारों निर्दोष नागरिकों और सुरक्षाकर्मियों की जान भी ली। लेकिन आज जब बस्तर जैसे माओवादी गढ़ से 25 लाख के इनामी सरगना पापा राव का अपने साथियों सहित आत्मसमर्पण करना एक निर्णायक मोड़ के रूप में सामने आया है, तब यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत माओवादी मुक्ति की ऐतिहासिक दहलीज पर खड़ा है। नक्सलवाद की जड़ें सामाजिक—आर्थिक असमानता, उपेक्षा और शोषण में रही हैं, लेकिन समय के साथ यह आंदोलन अपने मूल उद्देश्यों से भटककर एक हिंसक और विध्वंसकारी विचारधारा में बदल गया। माओवादी संगठन न केवल विकास कार्यों में बाधा डालते रहे, बल्कि उन्होंने स्थानीय लोगों को भय और हिंसा के माध्यम से नियंत्रित किया। स्कूल, सड़क, स्वास्थ्य केंद्र जैसे बुनियादी ढांचे को नष्ट करना उनकी रणनीति का हिस्सा बन गया था। इससे यह स्पष्ट हो गया कि यह आंदोलन अब जनहित का नहीं, बल्कि सत्ता और नियंत्रण का माध्यम बन चुका है।

भारत सरकार द्वारा 31 मार्च 2026 तक देश को नक्सलवाद / माओवाद से मुक्त करने का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया था, वह अब लगभग अपनी अंतिम अवस्था में पहुंचता दिखाई दे रहा है। पिछले एक दशक में 10,000 से अधिक माओवादियों के आत्मसमर्पण, सुरक्षा बलों की आक्रामक एवं रणनीतिक कार्रवाई तथा प्रभावित क्षेत्रों में तेजी से हुए विकास कार्यों ने माओवादी आंदोलन की जड़ों को कमजोर कर दिया है। छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में माओवादी हिंसा की घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आई है। विशेष रूप से शीर्ष नेतृत्व के आत्मसमर्पण, जैसे दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी के सदस्यों के सरेंडर ने संगठन को नेतृत्वहीन कर दिया, जिससे माओवादी संरचना भीतर से कमजोर पड़ गई। इस सफलता के पीछे सरकार की बहुआयामी रणनीति रही, जिसमें केवल सैन्य—पुलिस कार्रवाई ही नहीं, बल्कि विकास, पुनर्वास और प्रशासनिक पहुंच को भी समान महत्व दिया गया। रेड कॉरिडोर क्षेत्रों में सड़कों और पुलों का निर्माण, मोबाइल टावरों के माध्यम से 4जी नेटवर्क का विस्तार, स्कूलों और आईटीआई संस्थानों की स्थापना ने इन क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ा। वहीं 'फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों' की रणनीति के माध्यम से सुरक्षा बलों ने माओवादियों के गढ़ों में घुसकर निर्णायक कार्रवाई की। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास नीति के तहत आर्थिक सहायता, रोजगार और समाज में पुनर्स्थापना की व्यवस्था ने भी माओवादी कैडर को हथियार छोड़ने के लिए प्रेरित किया। यह समन्वित रणनीति, दूरदर्शिता और दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का परिणाम है कि देश आज नक्सलवाद के अंत के ऐतिहासिक चरण के निकट खड़ा दिखाई दे रहा है।

निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने इस समस्या के समाधान के लिए बहुआयामी और दृढ़ रणनीति अपनाई। गृहमंत्री अमित शाह की सूझबूझ और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस अभियान को एक नई दिशा दी। सरकार ने एक ओर जहां सुरक्षा बलों को आधुनिक तकनीक, बेहतर प्रशिक्षण और संसाधनों से सशक्त किया, वहीं दूसरी ओर विकास योजनाओं को भी गति दी। 'सुरक्षा और विकास' के इस दोहरे दृष्टिकोण ने माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन की नींव रखी। पिछले कुछ वर्षों में सुरक्षाबलों द्वारा चलाए गए सघन अभियानों ने माओवादी नेटवर्क को गहराई से कमजोर किया है। बस्तर, जो कभी माओवादियों का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां आज आत्मसमर्पण की घटनाएं बढ़ रही हैं। पापा राव जैसे शीर्ष माओवादी नेता का आत्मसमर्पण इस बात का संकेत है कि माओवादी संगठन अब अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। यह केवल एक व्यक्ति का आत्मसमर्पण नहीं, बल्कि एक विचारधारा के पतन का प्रतीक है।

माओवादी मुक्ति का सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि देश के उन क्षेत्रों में शांति और स्थिरता स्थापित होगी, जो लंबे समय से हिंसा की चपेट में रहे हैं। जब बंदूकें खामोश होंगी, तब विकास की आवाज बुलंद होगी। सड़कें बनेंगी, स्कूल खुलेंगे, अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ेंगी और सबसे महत्वपूर्ण, लोगों के जीवन में सुरक्षा और विश्वास का संचार होगा। आदिवासी और ग्रामीण समुदाय, जो अब तक भय और असुरक्षा में जी रहे थे, वे अब अपने अधिकारों और अवसरों का पूर्ण लाभ उठा सकेंगे। इसके साथ ही, माओवादी हिंसा के समाप्त होने से भारत की आंतरिक सुरक्षा मजबूत होगी। जब देश के भीतर शांति होगी, तब ही बाहरी खतरों का प्रभावी ढंग से सामना किया जा सकता है। नक्सलवाद जैसी समस्याएं अक्सर विदेशी शक्तियों और असामाजिक तत्वों के लिए भी अवसर प्रदान करती हैं, जिन्हें समाप्त करना राष्ट्रीय हित में अत्यंत आवश्यक है। इस दृष्टि से माओवादी मुक्ति न केवल आंतरिक, बल्कि सामरिक रूप से भी महत्वपूर्ण है।

आदर्श शासन व्यवस्था की स्थापना के लिए कानून का शासन, पारदर्शिता, जवाबदेही और विकास की समान पहुंच आवश्यक होती है। माओवादी प्रभाव वाले क्षेत्रों में इन सभी तत्वों का अभाव था। वहां प्रशासन की पहुंच सीमित थी और लोकतांत्रिक संस्थाएं प्रभावी रूप से कार्य नहीं कर पा रही थीं। लेकिन अब जब माओवादी प्रभाव घट रहा है, तब सरकार के लिए यह अवसर है कि वह इन क्षेत्रों में सुशासन की मजबूत नींव रखे। पंचायतों को सशक्त किया जाए, स्थानीय नेतृत्व को प्रोत्साहित किया जाए और जनभागीदारी को बढ़ावा दिया जाए। यह भी आवश्यक है कि माओवादी विचारधारा के प्रभाव को केवल सुरक्षा उपायों से ही नहीं, बल्कि वैचारिक स्तर पर भी चुनौती दी जाए। शिक्षा, जागरूकता और संवाद के माध्यम से लोगों को यह समझाना होगा कि हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकती। लोकतंत्र में परिवर्तन का मार्ग शांतिपूर्ण और संवैधानिक होता है। इस दिशा में समाज, सरकार और नागरिक संगठनों को मिलकर प्रयास करना होगा। माओवादी मुक्ति के इस दौर में यह भी ध्यान रखना होगा कि जिन कारणों से यह समस्या उत्पन्न हुई थी, वे दोबारा न उभरें। सामाजिक न्याय, आर्थिक समानता और विकास की समावेशी नीति को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आदिवासी क्षेत्रों में उनकी संस्कृति, पहचान और अधिकारों का सम्मान करते हुए विकास की योजनाएं लागू की जानी चाहिए। केवल भौतिक विकास ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक सशक्तिकरण भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में जिस दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ माओवादी समस्या का समाधान किया जा रहा है, वह न केवल वर्तमान के लिए, बल्कि भविष्य के लिए भी एक मार्गदर्शक है। यह दिखाता है कि यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति मजबूत हो, रणनीति स्पष्ट हो और कार्यान्वयन प्रभावी हो, तो कोई भी समस्या असाध्य नहीं है। निश्चिततौर पर माओवादी मुक्ति केवल एक सुरक्षा उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह भारत के लोकतंत्र, विकास और सुशासन की जीत है। यह उस विश्वास का प्रतीक है कि भारत अपने आंतरिक संघर्षों को शांतिपूर्ण और निर्णायक ढंग से सुलझाने में सक्षम है। अब समय है कि इस उपलब्धि को स्थायी बनाया जाए और देश के हर कोने में शांति, समृद्धि और संतुलन का वातावरण स्थापित किया जाए। जब हर नागरिक सुरक्षित, सम्मानित और सशक्त महसूस करेगा, तभी सच्चे अर्थों में एक आदर्श शासन व्यवस्था का निर्माण संभव हो सकेगा।—(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

यूपीएससी परीक्षा के जुनून से प्रभावित शैक्षिक वातावरण

—अविजित पाठक—

देश में यूपीएससी की सिविल सेवा परीक्षा उत्तीर्ण करने के जुनून के कारण लाखों युवा मानसिक रूप से आहत हो रहे हैं और असफलता के दंश को भी झेल रहे हैं। वहीं इस परीक्षा के प्रति दीवानगी शैक्षणिक संस्कृति की गंभीरता पर भी असर डाल रही है।

हाल ही में, राष्ट्रीय राजधानी के एक अग्रणी महिला कॉलेज ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा—2025 में शीर्ष रैंक हासिल करने वाली अपनी दस पूर्व छात्राओं को सम्मानित किया। कॉलेज की प्रिंसिपल ने इन 'बदलाव के वाहकों' की सफलता गाथाओं का बखान किया, युवा छात्राओं को उनसे बातचीत करने अवसर मिला और उन 'गुरों' को सीखने का अवसर मिला, ताकि उन्हें भी इस अत्यंत प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षा उत्तीर्ण करने के लिए जरूरी महारत हासिल हो सके। यह जोड़ने की जरूरत नहीं कि इस किस्म के आयोजन, जैसा कि कॉलेज की प्रिंसिपल ने सोचा होगा, वर्तमान छात्राओं में गर्व की भावना जगाने और उन्हें जीवन में अच्छा करने के लिए प्रेरित करने हेतु आवश्यक है। जहां मैं प्रिंसिपल और कॉलेज की इन दस पूर्व छात्राओं को बधाई देता हूं, वहीं मैं यह प्रार्थना करना नहीं भूलता कि ये 'सफल हस्तियां' अपने अहंकार पर काबू रख सकेंगी, विनम्र बनी रहेंगी,और अपने पदों से जुड़ी सत्ता और विशेषाधिकारों के मोहक जाल से खुद को दूर रखने का नैतिक साहस पा सकेंगी।

हालांकि, ज्ञान की राजनीति और समाजशास्त्र में मेरी गहरी रुचि के कारण, परेशान करने वाला एक प्रश्न मुझे कचोटता रहता है। ऐसा क्यों है कि उदार कला एवं मानविकी संकाय के लिए जाना जाने वाला एक कॉलेज अपनी हैसियत सिद्ध करने के लिए यूपीएससी टॉपर्स को प्रदर्शित करने पर विवश है? मैं खुद से पूछता हूं क्या कॉलेज को अपनी इन पूर्व छात्राओं पर तब भी उतना ही गर्व होता, यदि उन्होंने जीवन का कोई बिल्कुल अलग मार्ग चुना होताकृ मसलन, छत्तीसगढ़ और झारखंड के आदिवासियों के बीच काम करने वाली एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप मेंय या अपने छात्रों में आलोचनात्मक सोच के विकास की कोशिश करने वाली एक स्कूल शिक्षिका के रूप मेंय अथवा, इस संदर्भ में, अपने—अपने ज्ञान के क्षेत्र में अमूल्य योगदान देने वाली किसी इतिहासकारष् राजनीतिक सिद्धांतकारष् मनोवैज्ञानिक के रूप में?

इस बात को स्वीकार करें। हम एक ऐसे समाज में रहते हैं जिसने 'सफलता' और 'असफलता' की अपनी अलग अवधारणा गढ़ रखी है। कोई आश्चर्य नहीं कि शिक्षा का उद्देश्य अक्सर सफलता और असफलता को उपयोगिता के संदर्भ में परिभाषित किया जाता है। मसलन, यदि आप विज्ञान विषय चुनते हैं, तो आपको बार—बार यही कहा जाता है कि आपको डॉक्टर या इंजीनियर ही बनना है। या, इसी क्रम में, यदि आप मानविकी और सामाजिक विज्ञान चुनते हैं, तो आपका तब तक उद्धार नहीं हो सकता, जब तक आप यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा पास करके आईएएसष् आईपीएस अधिकारी नहीं बन जाते! दरअसल, जिस तरह मध्यम—वर्गीय परिवार सफलता को लेकर प्रचलित इस सोच को आत्मसात कर लेते हैं, या फिर शिक्षा की यांत्रिक उपयोगिता ने युवाओं के लिए जीवन के अन्य रास्ते सोचना और उनके लिए कोशिश करना बेहद मुश्किल कर दिया है। इसलिए, समझा जा सकता है उदार कला एवं मानविकी विषय के लिए विख्यात कोई कॉलेज यूपीएससी टॉपर्स को अपना रोल मॉडल क्यों मानता है।

तथापि, यह अहसास होना भी उतना ही जरूरी है कि सफलता को लेकर समाज द्वारा बनाई गई ऐसी सोच ने जिस चीज को जन्म दिया है, उसका नामकरण मैं 'यूपीएससी के जुनून की बीमारी' करना चाहूंगाकृ जिस तरह इसने 3000 करोड़ का भारी मुनाफा कमाने वाला 'कोचिंग उद्योग' खड़ा कर दिया है, अनगिनत युवा दिमागों की महत्त्वपूर्ण एवं रचनात्मक ऊर्जा को खत्म कर डाला है, और हमारे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में सक्रियता व सहभागितापूर्ण शिक्षण और शोध की भावना को नुकसान पहुंचाया है। भले ही हमें 'सफलता' गाथाएं सुनना भाता है, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि आईएएसष् आईपीएसष् संबद्ध सेवाओं के लिए इस एकतरफा और जुनून—भरी दीवानगी की वजह से, हम लाखों युवाओं को मानसिक रूप से आहत होते और 'असफलता' का दंश झेलते हुए देख रहे हैं। आखिरकार, आप और क्या उम्मीद कर सकते हैं, अगर मान लीजिए, दस लाख आवेदकों में से सिर्फ एक हजार खुशकिस्मत लोगों को ही इन प्रतिष्ठित नौकरियों के लिए चुना जाता है? जहां एक ओर 'सफलता' का जश्न मनाया जाता है और उसकी जय—जयकार होती है वहीं दूसरी तरफ हम असफलता की पीड़ा भुला देते हैं। हो सकता है कि कोई युवा एक स्कूल शिक्षक, मानव—विज्ञानी, खिलाड़ी या फिल्म—निर्माता के तौर पर बहुत अच्छा कर सकता है। लेकिन, यूपीएससी के प्रति जुनून की वजह से उसकी जवानी का एक बड़ा हिस्सा कोचिंग सेंटरों के चक्कर लगाने, भारी मात्रा में पैसे खर्च करने, और इतिहास, समसामयिक घटनाक्रम, समाजशास्त्र और राजनीतिक सिद्धांत के उन सभी 'नोट्स' को रटने में बर्बाद हो जाता है, जिन्हें 'कोचिंग गुरु' बड़े धूम—धड़ाके से बेचते हैं और रातों—रात करोड़पति बन जाते हैं। सच में, यह शिक्षा की स्थिति और हमारे युवा छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर एक दुखद टिप्पणी है।

गौरवशाली द्विशताब्दी अक्षर यात्रा

—अरूण नथानी—

सूचना क्रांति, तकनीकी उन्नति तथा इंटरनेट युगीन पत्रकारिता भले रूप—रंग व तेवरों में निखरी नजर आती हो, लेकिन सरोकारों की प्रतिबद्धता व विश्वसनीयता के यक्ष प्रश्न सामने हैं। यदि आज दो सौ साल पूरी करती हिंदी पत्रकारिता के गौरवशाली अतीत पर दृष्टिपात करें, तो निष्कर्ष यही है कि स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास बिना पत्रकारों के त्याग—बलिदान के उल्लेख के अधूरा है। तब पत्रकारिता व्यवसाय नहीं मिशन था। घर—फूंक तमाशा देखने का ऋषिकर्म था। साहित्य,सामाजिक, बौद्धिक और राजनीतिक क्षेत्र के दिग्गज खुद को पत्रकार कहलाने में गर्व महसूस करते थे। हिंदी पत्रकारिता के दो सौ साला सफर पर एक विहंगम दृष्टि।

हिंदी पत्रकारिता 200वें साल में दस्तक दे चुकी है। साल 1826 वही वर्ष है, जब हिंदी के पहले अखबार 'उदंत मार्तंड' का प्रकाशन आरंभ हुआ था। वह हिंदी पत्रकारिता, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से लेकर कई राज्यों के निर्माण तक, जन—जागरण और सामाजिक—राजनीतिक चेतना जगाने में अहम भूमिका निभायी है। वैसे भारत में हिंदी पत्रकारिता से पहले अंग्रेजी की पत्रकारिता आरंभ हो चुकी थी। 29 जनवरी, 1780 को जेम्स ऑगस्टस हिकी ने कोलकाता से 'बंगाल गजट' या 'कलकटा जनरल एडवरटाइजर' नाम से अखबार निकाला था। इसके बाद कई अखबारों का प्रकाशन हुआ। वर्ष 1826 में युगल किशोर शुक्ल ने महसूस किया था कि अंग्रेजी अखबार से हिंदुस्तानियों का भला नहीं हो रहा। हिंदी का अखबार निकलना चाहिए। इस तरह 'उदंत मार्तंड' से हिंदी पत्रकारिता की जो यात्रा आरंभ हुई थी, वह आज जन—जन की पत्रकारिता बन चुकी है।

सही मायनों में स्वतंत्रता का इतिहास पत्रकारिता के इतिहास के उल्लेख के बिना अधूरा है। हिंदी पत्रकारिता ने जहां एक ओर राष्ट्रीय आंदोलन को ऊर्जा प्रदान की, वहीं सामाजिक पुनर्जागरण की समस्त आकांक्षाओं और संभावनाओं को उद्दीप्त भी किया। इस दौरान राजनेताओं को स्वतंत्रता की चेतना जगाने जो भी सफलता मिली उसमें बहुत बड़ा योगदान हिन्दी पत्रकारिता का है। यह भी संयोग ही है कि स्वतंत्रता आंदोलन के अगुआ बालगंगाधर तिलक, महात्मा गांधी, डॉ. बीआर अंबेडकर व पं. जवाहरलाल नेहरू राजनेता के साथ—साथ अच्छे पत्रकार भी थे।

भारतेंदुकालीन पत्रकारिता ने भारतीयों में राष्ट्रीयता के संचार तथा जन—जागरण का कठिन कार्य तो किया, लेकिन राष्ट्रीयता के आंदोलन को जन—जन तक पहुंचाने का प्रमुख कार्य 20वीं सदी के प्रारंभ में पत्रकारों ने किया। कहा जा सकता है कि यदि हिंदी व भारतीय भाषाओं के समाचारपत्र सजग न होते तो आजादी मिलने में शायद अधिक समय लगता। वस्तुतः पत्रकारिता व स्वतंत्रता आंदोलन को एक—दूसरे का पूरक कहा जा सकता है। भारत में आजादी के आंदोलन के जब—जब पांव डगमगाए और उसमें शिथिलता आई, प्रतिबद्ध पत्रकारिता ने आगे बढ़कर उसे मजबूती प्रदान की। लेकिन यह खेद की बात है कि भारतीय इतिहासकारों ने पत्रकारिता के इस अकथनीय योगदान के साथ इतिहास लेखन में न्याय नहीं किया।

वर्ष 1885 में इंडियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना के साथ ही भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का विधिवत अंकुरण हुआ। इसके साथ ही स्वतंत्रता की आकांक्षा को बलवती बनाने में पत्रकारिता ने प्रेरक भूमिका निभाई। अखबारों ने राष्ट्रीय कांग्रेस की गतिविधियों तथा राष्ट्रीय नेताओं की बंद कमरे की आवाज को जन—जन तक पहुंचाने का दायित्व निभाया।

हालांकि, प्रारंभिक दौर में हिन्दी 'प्रदीप' ने अपने लेख में कांग्रेस का विरोध करने वालों को सरकारी उपाधियों का लालची बताकर विरोध दर्ज किया। लेकिन कालांतर पत्र—पत्रिकाओं की अपील से कांग्रेस की सदस्यता में भारी वृद्धि हुई। राष्ट्रीयता की उग्र विचारधारा को भी हिन्दी पत्रकारिता ने नजरअंदाज नहीं किया। इस दौरान देश के प्रमुख नगरों में कई जुझारू हिंदी समाचार पत्रों का प्रकाशन हुआ। 'भारत मित्र', 'सार सुधा निधि', 'हिन्दी बंगवासी', 'हिन्दी प्रदीप', 'उचित वक्ता' व 'बिहार बंधु' उस समय के प्रमुख पत्र थे। इस समय के समाचार पत्रों ने सरकारी दबावों के बावजूद लोकमत को वाणी देकर राष्ट्रीय चेतना का विकास किया।

कालांतर ब्रिटिश सरकार की उत्तरोत्तर उग्र होती दमनकारी नीतियों के चलते स्वतंत्रता की नव—चेतना गहराने लगी। देश के एक कोने में घटी दमन की घटना को समाचार पत्र संपूर्ण देश में जन—जन तक फैला देते थे। फिरंगियों के दमन के चलते कालांतर देश में उग्र राष्ट्रवाद का जन्म हुआ। बंग—विभाजन के मुद्दे पर भारतीयों को जोड़कर अखबारों ने बंग अस्मिता के आंदोलन को गहरा रूप दिया। वर्ष 1905 में जापान के हाथों हुई रूस की करारी हार ने भारतीय जन—मानस को उग्र राष्ट्रीयता की ओर उन्मुख किया। तत्कालीन हिंदी समाचार पत्रों ने छोटे से देश जापान के इस पराक्रम को खूब सराहा। संपादकों ने जनता को बताया कि गोरी चमड़ी वाले अजेय नहीं। हम उन्हें हराकर स्वतंत्रता हासिल कर सकते हैं।

कलकत्ता में प्रकाशित 'भारत मित्र' समाचार पत्र ने बंग—भंग के प्रश्न पर मुखर विरोध दर्ज किया। लार्ड कर्जन के कुकृत्यों की निंदा करते हुए 'भारत मित्र' ने गर्जना शीर्षक से बहुचर्चित कविता प्रकाशित की। बंगाल विभाजन के विरोध में भारतीय एकजुट होकर ब्रिटिश सत्ता के खिलाफ खड़े हुए। हिन्दी पत्रकारिता ने विभाजनकारी एजेंडे के मुद्दे पर भारतवासियों को जागृत कर एक सूत्र में पिरोने का कार्य किया। देश में ब्रिटिश सरकार के आर्थिक शोषण के खिलाफ चला स्वदेशी आंदोलन के बारे में निर्देश दिए।

महिला के कान से झुमका नोचकर फरार बदमाश का एनकाउंटर, पैर में गोली मारकर पकड़ा

संवाददाता–गोण्डा। करनैलगंज कोतवाली पुलिस और एसओजी के साथ सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में नरायनपुर मांझा के पास 25 हजार के इनामी को गोली मारकर पकड़ा गया है। पुलिस ने उसके कब्जे से अवैध असलहा, एक बाइक व छिनैती के 22,000 रुपए बरामद करने का दावा किया है। पकड़े गए बदमाश की पहचान इनामिया अमित तिवारी उर्फ घुरले निवासी ढेहवा करनीपुर थाना तरबगंज के रूप में हुई है। शातिर बदमाश एक महिला के कान से झुमका नोचकर भागा था। पुलिस अधीक्षक विनीत जायसवाल ने बताया कि एएसपी पश्चिमी राधेश्याम राय के पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी अभिषेक दवाच्या के नेतृत्व में पुलिस की संयुक्त टीम को यह सफलता मिली है। एसपी के अनुसार 19 फरवरी को अंकुश तिवारी ने पुलिस सूचना दी कि वह अपनी मां के साथ बाइक से विवाह कार्यक्रम में जा रहे थे। दोपहर करीब 01:35 बजे चकरौत बाजार से लगभग एक किमी पहले पल्सर बाइक सवार दो बदमाशों ने उनकी माता के कान का झुमका झपट्टा मारकर लूट लिया था। इससे उनकी मां का कान भी फट गया और चोटें आईं थीं। बदमाश घटना के बाद मौके से फरार हो गए।

अंकुश की तहरीर के आधार पर करनैलगंज पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर किया था। घटना को संज्ञान में लेते एसपी ने चार पुलिस टीमों का गठन किया था। एसओजीध्सर्विलांस को भी घटना के खुलासे के लिए लगाया गया था। पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास और संभावित स्थानों पर सीसीटीवी कैमरों की फुटेज से संदिग्धों को चिन्हित किया। इसी क्रम में कोतवाली पुलिस टीम ने 27 मार्च को बदमाश विवेक पाण्डेय उर्फ विक्कू पुत्र सुशील कुमार पाण्डेय निवासी शिवबक्स पुरवा, थाना तरबगंज, जनपद गोण्डा को कुतुबपुर बंधा मोड़ से गिरफ्तार किया था।

इसी मामले में शातिर अमित तिवारी उर्फ घुरले फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक ने 25,000 रुपए का इनाम घोषित किया था। सोमवार रात पुलिस टीम क्षेत्र में गश्त पर थी। इसी बीच सूचना मिली कि शातिर बदमाश नारायणपुर मांझा की तरफ मोटरसाइकिल से आ रहा है। पुलिस टीम ने नारायणपुर मांझा के पास उसे पकड़ने का प्रयास किया गया। बदमाश ने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी गयी। पुलिस टीम की जवाबी फायरिंग में शातिर बदमाश अमित तिवारी उर्फ घुरले के पैर में गोली लगी। उसे तत्काल जिला अस्पताल गोण्डा में भर्ती कराया गया। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ थाना कोतवाली करनैलगंज में विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करके अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। एसपी मुताबिक गिरफ्तार अभियुक्त शातिर अपराधी है, जो अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर महिलाओं के कान के झुमके व अन्य आभूषण नोचकर छिनैती की घटनाओं को अंजाम देता था। अभियुक्त द्वारा जनपद गोण्डा के थाना करनैलगंज एवं थाना कोतवाली देहात क्षेत्र में तथा जनपद बस्ती में भी कई छिनैती की घटनाएं की गई हैं ।

सरयू कटान से प्रभावित ग्रामीणों का प्रदर्शनः तत्काल कार्रवाई की मांग

संवाददाता–देवरिया। जिले के बरहज विधानसभा क्षेत्र में सरयू नदी के कटान से प्रभावित ग्रामीणों ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी (सपा) नेता विजय रावत के नेतृत्व में किसानों और स्थानीय लोगों ने नदी किनारे धरना दिया और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। यह प्रदर्शन परसिया और विशुनपुर देवार गांवों में लगातार हो रहे कटान को रोकने की मांग को लेकर किया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि नदी का कटान तेजी से बढ़ रहा है, जिससे हजारों एकड़ कृषि भूमि और फसलें नदी में समाहित हो चुकी हैं। सपा नेता विजय रावत ने कहा कि सरयू नदी के कटान से किसानों को भारी नुकसान हुआ है। उन्होंने बाढ़ विभाग और जिला प्रशासन पर उदासीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि समय रहते ठोस कदम उठाए जाते तो इस नुकसान को रोका जा सकता था। रावत ने राज्य सरकार पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि जनता की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कटान रोकने के प्रभावी इंतजाम नहीं किए गए, तो ग्रामीणों के साथ बड़े स्तर पर आंदोलन किया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि दस दिनों के भीतर कटान रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर जल सत्याग्रह भी किया जाएगा। रावत ने यह भी आशंका जताई कि यदि कटान को तुरंत नहीं रोका गया तो भविष्य में और बड़े नुकसान हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा हालात बने रहे तो क्षेत्र में बने मोहन सेतु के बराबर फिर से निर्माण की स्थिति पैदा हो सकती है। प्रदर्शन में शामिल ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित कटान निरोधक कार्य शुरू कराए जाएं, ताकि किसानों की बची हुई जमीन को सुरक्षित किया जा सके। किसानों का कहना है कि उनकी आजीविका पूरी तरह खेती पर निर्भर है और जमीन के कटान से उनका भविष्य संकट में पड़ गया है।

इस दौरान लंकेश कुमार, राजेश सिंह, अनिल प्रसाद, राहुल निषाद, संजय पांडेय, अखिलेश मिश्रा, दुष्यन्त यादव, विकास कुमार, विजय सिंह और राकेश कुशवाहा समेत कई अन्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस से छीनाझपटी के बीच अनशनकारियों ने डीएसओ और गैस एजेंसी संचालक का जलाया पुतला

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा गैस एजेंसी पर वितरण प्रणाली में अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं व आम नागरिकों का अनशन दूसरे दिन मंगलवार को भी जारी रहा। भाजपा नेता जितेंद्र जायसवाल के नेतृत्व में बैठे लोगों ने कस्बे के अस्पताल चौराहे पर डीएसओ एवं गैस एजेंसी संचालक का पुतला फूंकने के लिए प्रदर्शन शुरू किया। इस दौरान पुतले को लेकर पुलिस कर्मियों से छीनाझपटी भी हुई। नाराज उपभोक्ताओं ने गैस एजेंसी एवं आपूर्ति अधिकारी के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की और सरकार को बदनाम करने की साजिश बताया। आंदोलनस्थल पर पुतला फूंकने की भनक लगते ही पुलिस फोर्स मौके पर पहुंच गई।

अनशनकारियों ने अचानक मुख्य मार्ग पर पुतला जला दिया। इस दौरान पुलिस और अनशनकारियों में छीनाझपटी होने लगी। भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि मौके पर मौजूद पुलिस ने मामले को संभाला और स्थिति को सामान्य किया। अनशन पर बैठे भाजपा नेता जितेंद्र जायसवाल व बड़ी संख्या में मौजूद उपभोक्ताओं का आरोप है कि स्थानीय गैस एजेंसी आम उपभोक्ताओं में भेदभाव कर लाइन में खड़े करवा रही है। उनका उत्पीड़न कर रही है। होम डिलिवरी का भुगतान लेने के बावजूद गैस सिलेंडर की होम डिलिवरी नहीं की जा रही है। डीएसी

नंबर बुक करने वाले उपभोक्ताओं के साथ भी खिलवाड़ किया जा रहा है। चेतावनी दी कि उपभोक्ताओं के साथ उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।गैस सिलेंडर के लिए मंगलवार की भोर से ही लग गई थी लाइनउपभोक्ता गैस सिलेंडर हासिल करने के लिए मंगलवार की भोर से ही लाइन लगाना जगह–जगह शुरू कर दिए थे । हालांकि प्रशासन को सूचना मिलने के बाद तत्काल मौके पर पुलिस कर्मियों ने पहुंच कर लाइन को समाप्त कराया। नौतनवा इंडियन गैस सर्विस के कस्बे के बाईपास स्थित गोदाम, कस्बे के गौशाला निकट मुख्य मार्ग पर एवं पीडब्ल्यूडी डाक बंगले के सामने मुख्य मार्ग पर गैस उपभोक्ता आए दिन लाइन लगाने को मजबूर हो रहे हैं।आईओसी ने शुरू की जांचगैस एजेंसी में अनियमितताओं को देखते हुए एसडीएम ने इंडियन ऑयल कंपनी को भी पत्र भेजकर मामले से अवगत कराया है। इसके बाद इंडियन ऑयल कंपनी के जिम्मेदारों ने मामले का संज्ञान लिया है और जांच शुरू कर दी गई है। एसडीएम नवीन प्रसाद ने कहा कि उपभोक्ताओं की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए एजेंसी संचालकों को लगातार निर्देशित किए गए। बावजूद उपभोक्ताओं की समस्याएं आती रही है।

इसकी वजह से इंडियन ऑयल कंपनी के जिम्मेदारों को मामले में जांच कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।होम डिलिवरी की सुविधा शत–प्रतिशत कराई जा रही है। उपभोक्ता धैर्य रखें। उनके घर तक गैस सिलेंडर अवश्य पहुंचेंगे। एजेंसियों को निर्देशित किया गया है। गैस आपूर्ति करने वाली कंपनियां भी मामले की जांच कर रही हैं। उपभोक्ताओं की समस्याओं का पूरा ख्याल रखा जा रहा है।नवीन प्रसाद, एसडीएम–नौतनवा

मिट्टी लदी तेज रफ्तार डंपर ने युवक को रौंदा, मौत

संवाददाता–महराजगंज। घुघली थाना क्षेत्र के पुरैना खंडी मुख्य चौराहे पर मंगलवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। अपनी पत्नी के साथ कपड़े की खरीदारी कर लौट रहे युवक को मिट्टी लदी तेज रफ्तार डंपर ने रौंद दिया। इस हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद लोगों की भीड़ जुट गई। मृत युवक की पत्नी बेसुध हो गई। वहीं, हादसे के बाद चालक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। गाड़ी भी पुलिस के कब्जे में है। हरखपुरा टोला मथौली निवासी 35 वर्षीय रामबचन साहनी अपनी पत्नी सुनीता के साथ कपड़ों की खरीदारी करने पुरैना चौराहे पर आया था। खरीदारी के बाद दोनों पैदल ही घर लौट रहे थे। इसी बीच पुरैना खंडी चौराहे पर पुरैना–परतावल मार्ग पर सामने से तेज गति से आ रहे डंपर ने रामबचन को अपनी चपेट में ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसा इतना भीषण था कि रामबचन की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद डंपर चालक वाहन लेकर फरार होने की कोशिश करने लगा, लेकिन स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए उसका पीछा किया। घबराकर चालक डंपर छोड़कर मौके से भाग निकला, जिसे बाद में पुलिस ने हिरासत में ले लिया।सूचना मिलते ही घुघली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष कुंवर गौरव सिंह ने बताया कि आरोपी चालक कुशीनगर जनपद के विशुनपुरा थाना निवासी दूधनाथ खरवार को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले में जरूरी कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस कस्टडी में लंगड़ाता दिखा मौलाना, सीएम योगी की मां पर की थी टिप्पणी, भेजा गया जेल

संवाददाता–बहराइच। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी मां के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मौलाना को कानून के लंबे हाथों ने दबोच लिया है। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने एक बड़े ऑपरेशन के तहत आरोपी मौलाना अब्दुल सलीम को बिहार से गिरफ्तार कर बहराइच की अदालत में पेश किया। जहां से मौलाना को जेल भेज दिया गया है। इस दौरान पुलिस कस्टडी में मौलाना लंगड़ाता हुआ नजर आया। दरअसल, बिहार के रहने वाले मौलाना अब्दुल सलीम ने सीएम योगी और उनकी मां को लेकर अभद्र टिप्पणियां की थीं। जैसे ही उसका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, हिंदू संगठनों और आम जनता में भारी आक्रोश फैल गया। उत्तर प्रदेश के बहराइच सहित कई अन्य जिलों में मौलाना के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने और आईटी एक्ट की धाराओं में मुकदमे दर्ज किए गए थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए उत्तर प्रदेश शासन ने एसटीएफ को आरोपी की तलाश में लगाया था। तकनीकी सर्विलांस और मुखबिरों की सूचना के आधार पर एसटीएफ की टीम ने बिहार में छापेमारी कर

अब्दुल सलीम को धर दबोचा। सोमवार को एसटीएफ ने उसे बहराइच की नगर कोतवाली पुलिस के हवाले कर दिया। बहराइच में विश्व हिंदू परिषद (टभ्च) के विधि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह ने 8 मार्च को इस मामले में कड़ी कानूनी कार्रवाई के लिए तहरीर दी थी, जिस पर नगर कोतवाली में एफआईआर दर्ज की गई थी।

बहराइच पहुंचते ही सीओ सिटी नारायण दत्त मिश्रा और कोतवाल प्रदीप कुमार सिंह ने आरोपी मौलाना से बंद कमरे में करीब 30 मिनट तक गहन पूछताछ की। पुलिस यह जानने का प्रयास कर रही है कि इस अपमानजनक कृत्य के पीछे क्या कोई बड़ी साजिश थी या किसी संगठन का हाथ था। पूछताछ के बाद कड़ी सुरक्षा के बीच आरोपी को स्थानीय अदालत में पेश किया गया। कोर्ट ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। सीओ नारायण दत्त मिश्रा ने बताया कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने और संवैधानिक पदों पर बैठे व्यक्तियों या उनके परिवार पर अभद्र टिप्पणी करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। सोशल मीडिया सेल लगातार ऐसी पोस्ट्स पर नजर रख रही है। आरोपी को जेल भेजे जाने के बाद पुलिस अब इस मामले में चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी करेगी, ताकि उसे कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जा सके।

भाजपा का स्थापना दिवस छह से, तैयारियां तेज

संवाददाता–बलरामपुर। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस को लेकर जिले में तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी को लेकर मंगलवार को तुलसी पार्क स्थित अटल भवन कार्यालय पर भाजपा जिला पदाधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा ने की, जबकि मुख्य अतिथि अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी रहे। बैठक में 6 अप्रैल से शुरू होने वाले स्थापना दिवस कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा तय की गई। मुख्य अतिथि ने बताया कि 6 से 12 अप्रैल तक पूरे जिले में स्थापना सप्ताह मनाया जाएगा। 5, 6 और 7 अप्रैल को पार्टी कार्यालयों को सजाया जाएगा, वहीं 6 व 7 अप्रैल को सभी बूथों पर महापुरुषों को पुष्पांजलि अर्पित कर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यकर्ता घर–घर पार्टी का ध्वज लगाकर सेल्फी अभियान भी चलाएंगे। इसके अलावा 8 और 9 अप्रैल को जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन होगा, जबकि 7 से 12 अप्रैल तक स्वच्छता अभियान, जनसंपर्क, सम्मान कार्यक्रम एवं सरकार की योजनाओं पर चर्चा की जाएगी। सदर विधायक पल्टूराम व तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला ने कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में बड़ी संख्या में पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

स्थापित हुआ सबसे ऊंचा धम्म ध्वजः अंतरराष्ट्रीय त्रिपिटक पाठ और धम्म यात्रा का हुआ आयोजन

संवाददाता–बलरामपुर। लाल नगर गांव में मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय त्रिपिटक पाठ एवं धम्म यात्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश–विदेश से आए बौद्ध भिक्षु, श्रद्धालु और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भारत का सबसे ऊंचा धम्म ध्वज था, जिसका अनावरण किया गया। धम्म ध्वज का अनावरण भारत में कंबोडिया की राजदूत राथ मेनी और उत्तर प्रदेश के तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष सिंह पटेल ने संयुक्त रूप से किया। राजदूत राथ मेनी ने बताया कि कंबोडिया में 90 से 95 प्रतिशत लोग बौद्ध धर्म का पालन करते हैं और भारत में ऐसे आयोजन अत्यंत श्रद्धा के साथ मनाए जाते हैं।

तकनीकी शिक्षा मंत्री आशीष सिंह पटेल ने प्रदेश में पहली बार स्थापित हुए इस विशाल धम्म ध्वज की महत्ता पर प्रकाश डाला और जनता को ष्बुद्धम् शरणम् गच्छामिष् की शिक्षाओं को स्मरण रखने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के आयोजक लार्ड बुद्ध वेलफेयर फाउंडेशन के सचिव दिवाकर पटेल ने जानकारी दी कि लाल नगर गांव में पिछले चार वर्षों से धम्म स्थली का निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य भगवान बुद्ध की मूल शिक्षाओं (त्रिपिटक) का पाठ कर विश्व शांति को बढ़ावा देना है। पटेल ने यह भी दावा किया कि यह स्थापित धम्म ध्वज विश्व का सबसे ऊंचा और प्रथम धम्म ध्वज है।

इस अवसर पर वेनखेनपो कर्मा गेंडुन (प्राचार्य, वज्र विद्या संस्थान, सारनाथ), डा. सोनम योंदेन गुरूंग (महाबोधि सोसाइटी आफ इंडिया, सारनाथ), वेनआर सुमिथ्थानंद थेरो और वेनआर सद्धालोक महाथेरो सहित कई अन्य बौद्ध धर्मगुरु उपस्थित रहे। उत्तर प्रदेश संस्कृति विभाग द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सोल ऑफ आर्ट अंतरराष्ट्रीय कला प्रदर्शनी ने आयोजन को और अधिक आकर्षक बनाया।

हाईवे पर बनने जा रहे 2 नए पुल, लोगों की राह होगी आसान

संवाददाता–गोण्डा। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय एवं राजमार्ग मंत्रालय ने यूपी के गोंडा जिले में नेशनल हाईवे पर स्थित दो पुलों के निर्माण को मंजूरी दी है। दोनों पुलो के निर्माण पर करीब 36 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पहला पुल गोण्डा–बलरामपुर नेशनल हाईवे पर इटियाथोक में बिसुही नदी पर बनाया जाएगा। यहां जर्जर पुल के निर्माण पर 16 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यहां पुराने जर्जर पुल की जगह तीन लेन का नया पुल बनेगा। इसके निर्माण से देवीपाटन मंदिर की राह आसान हो जाएगी। दूसरी ओर मोतीगंज क्षेत्र में दर्जी कुआं–मनकापुर–बभनान हाईवे पर कहोबा पुल के निर्माण पर भी 20 करोड़ रुपये की लागत आएगी।

गोण्डा–बलरामपुर हाईवे पर इटियाथोक में बिसुही नदी पर करीब 114 वर्ष पहले पुल का निर्माण ब्रिटिश काल में हुआ था। पुल के नीचे लोहे के बड़े बड़े गर्डर और अन्य मैटेरियल लगाए गए थे। ये पुल काफी जर्जर होने के साथ ही इसकी चौड़ाई कम होने से आए दिन जाम की स्थित से लोगों को जूझना पड़ता था। पुल से दिन–रात वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। जर्जर हो चुके बिसुही पुल की जगह नए पुल के नवनिर्माण को लेकर कई सालों लोग मांग कर रहे थे। कार्यदायी संस्था राष्ट्रीय राजमार्ग खंड अयोध्या ने पुल निर्माण के लिए डीपीआर सरकार की मंजूरी के लिए भेजा था।

गोंडा–बलरामपुर मार्ग पर इटियाथोक स्थित बिसुही नदी पर पुराने जर्जर पुल की जगह अब नया पुल बनाने की स्वीकृति मिलते ही तैयारियां तेज हो गई है। एनएच अयोध्या के एक्सईएन एसके मिश्रा के मुताबिक तीन लेन के प्रस्तावित पुल की चौड़ाई करीब 15 मीटर होगी, इसके दोनों तरफ फुटपाथ भी बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि निर्माण के दौरान वैकल्पिक मार्ग और रूट डायवर्जन का खाका खींचा गया है।

दर्जीकुआं–मनकापुर–बभनान हाईवे पर चमदई नदी पर बना लोहववा पुल काफी जर्जर हो चुका है। चमदई नदी पर नए पुल का निर्माण 20 करोड़ रुपये की लागत से नए पुल का निर्माण होगा। इस पुल के हालात इतने खराब हैं कि तो लोहे की रॉड दिखाई दे रही है। पुल पर ही दोनों तरफ पीपल के विशाल वृक्ष पुल में ही उगकर बड़े हो गए हैं। जिससे लेकर हमेशा खतरा बना रहता है। इस पुल पर भारी भरकम वाहनों का आवागमन होता रहता है। इसी हाईवे से जिले की सीमा पर बसे बभनान, बभनजोत, मनकापुर और मसकनवा के साथ बड़ी आबादी का आवागमन होता है। अब इस पुल के बनने से गौरा और मनकापुर विधानसभा क्षेत्रों के आसपास के कई दर्जन गांवों के लोगों का यातायात सुगम होगा।

अयोध्या डिवीजन एनएच एक्सईएन एसके मिश्रा ने बताया कि केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय एवं राजमार्ग मंत्रालय ने नेशनल हाईवे पर स्थित इटियाथोक में बिसुही पुल और कहोबा में चमदई नदी पर नया पुल बनाने के लिए मंजूरी दी है। दोनों पुलों के निर्माण पर करीब 36 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। 15 मीटर चौड़ाई में बनने वाले पुलों के दोनों ओर फुटपाथ भी बनाया जाएगा। जल्द से जल्द प्रक्रिया शुरू करके पुल का निर्माण शुरू कराया जाएगा।

5 बच्चों की मां प्रेमी संग फरार, मम्मी के लिए रो रहा 2 साल का बेटा

संवाददाता–गोण्डा। उत्तर प्रदेश के गोंडा जिल में थाना क्षेत्र के एक गांव में मायके आई 40 साल की महिला अपने 27 साल के प्रेमी के साथ फरार हो गई। वह पांच बच्चों की मां है। मायके में महिला अपने दो साल के मासूम को छोड़कर चली गई हैं। दो साल का मासूम का अपनी मम्मी के लिए रो रहा है। मासूम अपने पिता से सवाल कर रहा है कि मम्मी कहां गई ? महिला का पति मारा–मारा फिर रहा है। पति ने पुलिस से पत्नी को खोजने के लिए गुहार लगाई। पुलिस भी मामले को लेकर ऐक्शन आ गई। महिला को खोजने के लिए कई टीमें लगाई गई हैं।

बताया जाता है कि महिला देहात कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से अपने ससुराल से मोतीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में मायके आई थी। उसने पति को बताया था कि वह परिवार से मिलने जा रही है। पति ने उसे बच्चों के साथ जल्द लौटने को कहा था। पति को इस बात का अंदाजा नहीं था कि मायके पहुंचने के बाद उसकी पत्नी कहीं भाग जाएगी। पत्नी के लापता होने के बाद पति ने मोतीगंज थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। मोतीगंज पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बताया जाता है कि महिला के बड़े बेटे की उम्र 17 साल, बेटी की उम्र 14 साल, तीसरे बेटे की उम्र आठ साल, चौथी बेटी की चार साल और पांचवें नंबर की बेटे की उम्र दो साल है। वह सबसे छोटे बेटे को लेकर मायके आई हुई थी। दो साल का मासूम बच्चा अपने पिता से बार–बार सवाल कर रहा है कि उसकी मम्मी कहां गई। सचाल पूछने के बाद बच्चा जोर–जोर रोने लग रहा है।

मोतीगंज थानाध्यक्ष व प्रशिक्षु आईपीएस प्रदीप कुमार ने बताया कि पति की तहरीर के आधार पर महिला की गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। महिला के बरामदगी को लेकर के कई पुलिस टीमों को लगाया गया है।

जाली नोट कनेक्शन पर बोले– राष्ट्रविरोधी गतिविधियों पर कड़ी कार्रवाई होगी –आशीष पटेल

संवाददाता–गोंडा। जिले के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल ने मंगलवार को दूसरे दिन सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने संगठन की मजबूती, पंचायत चुनाव की तैयारियों और जिले में पार्टी की रणनीति को लेकर मंथन किया। मंत्री ने पदाधिकारियों को अभी से आगामी चुनाव के लिए सक्रिय होने के निर्देश दिए। आशीष पटेल ने कहा कि विभागीय समीक्षा बैठक के बाद पार्टी के जिला स्तर के पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक और समीक्षात्मक बैठक की गई। उन्होंने बताया कि जिले के अलग–अलग हिस्सों से आए पदाधिकारियों ने अपने–अपने मुद्दे और संगठन से जुड़े विषय रखे। इन पर चर्चा कर संगठन को और मजबूत बनाने के लिए आवश्यक सुधार और निर्णय लेने की बात कही गई। आगामी पंचायत चुनाव को लेकर मंत्री ने कहा कि पार्टी संगठन स्तर पर तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पंचायत चुनाव को लेकर उनकी पार्टी ने कमर कस ली है और जमीनी स्तर पर तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। हालांकि, चुनाव मिलकर लड़ा जाएगा या अलग, इस पर अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं

हुआ है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर बातचीत के बाद ही इस पर स्थिति साफ होगी।

मीडिया से बातचीत में जब 'धुरंधर 2' फिल्म में दिखाए गए अतीक अहमद और जाली नोटों के कथित नेक्सस पर सवाल पूछा गया तो आशीष पटेल ने कहा कि जाली नोटों का एक नेक्सस प्रदेश और देश में रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार किसी भी प्रकार की राष्ट्रविरोधी गतिविधियों की निंदा करती है और ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध है।

जब उनसे पूछा गया कि उनकी पार्टी से अतीक अहमद चुनाव लड़ चुके हैं, तो आशीष पटेल ने कहा कि उन्होंने अभी वह फिल्म नहीं देखी है। उन्होंने हल्के अंदाज में कहा कि अगर टिकट उपलब्ध करा दिया जाए तो वह भी फिल्म देख लेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि उस समय पार्टी का नेतृत्व डॉ. सोनेलाल पटेल के हाथ में था, इसलिए उन्हें उस दौर की विस्तृत जानकारी नहीं है।

सीएम योगी आदित्यनाथ की मां को लेकर की गई टिप्पणी पर एक मौलाना की गिरफ्तारी के सवाल पर आशीष पटेल ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि किसी भी राजनेता या किसी भी दल के व्यक्ति के खिलाफ व्यक्तिगत स्तर पर नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की घृणास्पद बातें करने वाले लोग न समाज के हैं, न राष्ट्र के हित में हैं, इसलिए उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई जरूरी है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस बयान पर कि भाजपा सरकार आने पर मांस–मछली खाने पर रोक लग जाएगी, आशीष पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में किसी को कुछ खाने से नहीं रोका गया है और न ही रोका जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तरह के बयानों से भ्रम फैलाने की कोई जरूरत नहीं है।

जब दादरी से अखिलेश यादव के 2027 के दावे पर सवाल किया गया तो मंत्री ने साफ कहा कि 2027 में एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने भरोसा जताया कि जनता एक बार फिर एनडीए के साथ खड़ी होगी।

चोरी के दोषी को 3 अलग–अलग मामले में कारावास व अर्थदंड

संवाददाता–संतकबीरनगर। न्यायालय ने ऑपरेशन कनविक्शन अभियान के तहत पुलिस की पैरवी के फलस्वरूप चोरी के अलग–अलग तीन मामलों में दोषी को साधारण कारावास तथा अर्थदंड से दंडित किया। पुलिस की विवेचना के बाद 28 मार्च को न्यायालय सीजे (जेडी)/ जेएम के अदालत ने थाना महुली से संबंधित आरोपी पवन कुमार के खिलाफ इन्वर्टर बैटरी, नए बर्तन कुछ कपड़े व अंगूठी चोरी करने के संबंध में अभियोग पंजीकृत कराया गया था। आरोपी के जुर्म स्वीकारोक्ति के आधार पर कोर्ट ने तीन वर्ष का साधारण कारावास तथा 6,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

इसी तरह एक अन्य मामले में जुर्म स्वीकारोक्ति के आधार पर तीन वर्ष का साधारण कारावास तथा 6,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा न करने पर 12 दिन के अतिरिक्त साधारण कारावास का दंड भुगतना होगा। एक और मामले में सुनवाई के दौरान न्यायालय ने उक्त आरोपी को जुर्म स्वीकारोक्ति के आधार पर तीन वर्ष का साधारण कारावास तथा 4,500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया। अर्थदंड अदा न करने पर दोषी को सात दिन के अतिरिक्त साधारण कारावास का दंड भुगतना होगा।

ग्राम विकास अधिकारी निलंबितः विकास कार्यों का भुगतान न करने पर हुई कार्रवाई

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले के रामनगर विकास खंड स्थित हिसामुद्दीन पिपरा में तैनात एक ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित कर दिया गया है। उन पर गांव में हुए विकास कार्यों का भुगतान न करने का गंभीर आरोप था। यह कार्रवाई जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा जांच के बाद की गई है।

हिसामुद्दीन पिपरा के ग्राम प्रधान ने जिला प्रशासन से शिकायत की थी कि ग्राम विकास अधिकारी राम बलिराम, जो उनके गांव में कार्यरत थे, विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए किए गए भुगतानों को रोक रहे थे। इन परियोजनाओं में सड़क निर्माण, नाली निर्माण और अन्य सामुदायिक कार्य शामिल थे, जिनके पूर्ण होने के बावजूद भुगतान लंबित था।

इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए, संबंधित अधिकारियों ने पूरे मामले की विस्तृत जांच शुरू की। जांच के दौरान, ग्राम प्रधान द्वारा लगाए गए आरोप तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर सही पाए गए। रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया कि ग्राम विकास अधिकारी ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन ठीक से नहीं किया था।

जांच रिपोर्ट के निष्कर्षों के आधार पर, जिला पंचायत राज अधिकारी उपेंद्र पांडेय ने ग्राम विकास अधिकारी राम बलिराम को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का आदेश जारी किया। यह कदम सरकारी कार्यों में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है।

निलंबन की अवधि के दौरान, राम बलिराम को राम नगर विकास खंड कार्यालय से संबद्ध किया गया है। इसके अतिरिक्त, इस पूरे मामले की अग्रिम और गहन जांच सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) द्वारा की जाएगी, ताकि भविष्य में ऐसी अनियमितताओं को रोका जा सके और दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। यह कार्रवाई ग्रामीण विकास परियोजनाओं के सुचारू संचालन के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, 573 मरीजों को लाभ

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। शिवम आर्थो केयर एंड न्यूरो स्पाइन सेंटर में सोमवार को एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में कुल 573 मरीजों ने हड्डी और जोड़ संबंधी समस्याओं के लिए परीक्षण और उपचार का लाभ उठाया। शिविर का संचालन आर्थो विशेषज्ञ डॉ. वी मिश्रा, आर्थो डॉक्टर विवेक तिवारी और फिजियोथेरेपिस्ट की एक टीम द्वारा किया गया। इस दौरान मरीजों को विशेषज्ञ डॉक्टरों ने परामर्श दिया और आवश्यक दवाएं भी वितरित की गईं। शिविर में मरीजों की विभिन्न जांचें भी निःशुल्क की गईं। इनमें 70 मरीजों का एक्स–रे, 103 मरीजों का बीएमडी (बोन मिनरल डेंसिटी) टेस्ट और 200 मरीजों की शुगर जांच शामिल थी। इसके अलावा, 100 मरीजों के विभिन्न ब्लड टेस्ट और 50 मरीजों का एनसीवी टेस्ट भी किया गया।

ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने इस पहल की सराहना की। आयोजकों ने बताया कि ऐसे शिविरों का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है।

डॉ. वी मिश्रा ने इस अवसर पर कहा कि उनका प्रयास है कि अधिक से अधिक लोगों को समय पर सही इलाज और परामर्श मिल सके। उन्होंने यह भी बताया कि शिविर में लोगों की भागीदारी समाज में ऐसे आयोजनों की आवश्यकता को दर्शाती है और भविष्य में भी ऐसे निःशुल्क शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

शिक्षकों के नवाचार से सरकारी स्कूलों के प्रति बढ़ा अभिभावकों का विश्वास- नितेश शर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। रुधौली विधानसभा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय परसा–दमया में सोमवार को वार्षिक परीक्षा फल एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित भाजपा नेता एवं समाज सेवी नितेश शर्मा ने मेधावी छात्र–छात्राओं को अंक पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नितेश शर्मा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के परिषदीय विद्यालयों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने प्रधानाध्यापक राजेश कुमार मिश्र के समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि, प्रधानाध्यापक के कुशल संयोजन और शिक्षकों की कड़ी मेहनत का परिणाम है कि आज यह प्राथमिक विद्यालय गुणवत्ता और अनुशासन में स्थानीय निजी स्कूलों को कड़ी टक्कर दे रहा है। उन्होंने आगे कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की 'कायाकल्प' योजना और शिक्षकों के नवाचार से सरकारी स्कूलों के प्रति अभिभावकों का विश्वास फिर से लौटा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रधान प्रतिनिधि राकेश उपाध्याय ने अपने संबोधन में शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, 'बेसिक शिक्षा ही समाज की उन्नति का आधार उसकी प्राथमिक शिक्षा होती है। आज इस विद्यालय की व्यवस्था और बच्चों का अनुशासन देखकर गर्व होता है।' उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों की शिक्षा के प्रति निरंतर सजग रहें और विद्यालय के साथ समन्वय बनाए रखें। उन्होंने विद्यालय परिवार के प्रयासों को क्षेत्र के लिए एक मिसाल बताया। प्रधानाध्यापक राजेश कुमार मिश्र ने विद्यालय की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अतिथियों का स्वागत किया। पुरस्कार पाकर नन्हे–मुन्ने बच्चों के चेहरे खिल उठे। कार्यक्रम में विद्यालय के सहायक अध्यापक बलजीत, परमवीर गौड़, विपिन कुमार सहित अभिभावक एवं स्थानीय गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

लूट की साजिश नाकाम, दो मोटरसाइकिल बरामद

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ पुलिस और एसओजी टीम ने एक बड़ी लूट की साजिश को नाकाम कर दिया है। संयुक्त कार्रवाई में चार शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। उनके पास से अवैध असलहे, कारतूस और दो मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं।

शोहरतगढ़ क्षेत्राधिकारी मयंक द्विवेदी ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति बागंगवा बैराज के पास लूट की वारदात को अंजाम देने की योजना बना रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए, 30 मार्च सोमवार की रात लगभग 8:45 बजे थाना शोहरतगढ़ पुलिस और एसओजी टीम ने बागंगवा बैराज के पास घेराबंदी की। पुलिस की सक्रियता के चलते मौके से चारों अभियुक्तों को पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से अवैध असलहा, जिंदा कारतूस और दो मोटरसाइकिलें बरामद हुईं।

इन मोटरसाइकिलों का उपयोग वारदात को अंजाम देने और मौके से फरार होने के लिए किया जाना था। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान रन अहमद अकील पुत्र हरकीउल्लाह (निवासी खुनुवा बाजार, थाना शोहरतगढ़), शिवकुमार चौहान उर्फ बनगाडू पुत्र रामनरेश चौहान (निवासी उकुरा खुर्रम), कौशल मिश्र पुत्र शिवपूजन मिश्र (निवासी खड़कुवा, थाना शोहरतगढ़) और अखिलेश गडेरिया पुत्र मुरली गडेरिया (निवासी चौखा, जिला कपिलवस्तु, नेपाल) के रूप में हुई है। सभी अभियुक्तों की उम्र लगभग 22 से 39 वर्ष के बीच है। पुलिस के अनुसार, ये सभी मिलकर क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। विधिक कार्रवाई के बाद सभी आरोपियों को न्यायालय भेज दिया गया है।

हनुमान मंदिर के ध्वजारोहण के अतिथियों में विनय कटियार भी

संवाददाता–अयोध्या। संवाददाता राम मंदिर में हनुमान जयंती के पर्व पर दो अप्रैल को हनुमान मंदिर के शिखर पर आयोजित ध्वजारोहण समारोह में इस बार करीब दो हजार अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। खास ये है कि इस कार्यक्रम में राममंदिर आंदोलन के प्रमुख चेहरा विनय कटियार विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल रहेंगे (यह जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के न्यासी डा. अनिल मिश्र ने साझा की उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड से बजरंग दल के पूर्व व वर्तमान करीब 13 लोगों को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा अयोध्या महानगर व ग्रामीण क्षेत्र से करीब दो सौ लोग आमंत्रित हैं।

इसी तरह संत–महंतो व गणमान्य नागरिकों को मिलाकर यह संख्या दो हजार के आसपास होगी।तीर्थ क्षेत्र के न्यासी डा मिश्र का कहना है कि राम मंदिर आंदोलन से लेकर समाज विरोधी ताकतों के खिलाफ जिन युवाओं ने संगठन के माध्यम से जुड़कर लड़ाई लड़ी। उन्हें इस समारोह में आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया।

उन्होंने बताया कि इस समारोह के लिए बजरंग के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सांसद विनय कटियार, मध्य प्रदेश सरकार के वित्त आयोग चेयरमैन जयभान सिंह पवैया व विहिप के केन्द्रीय संयुक्त मंत्री सुरेंद्र जैन, संगठन मंत्री प्रकाश शर्मा के लिए मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है। उन्होंने एक सवाल के जवाब में बताया कि भगवान शिव, मां दुर्गा व विघ्नहर्ता गणपति के अलावा शेषावतार मंदिर में भी ध्वजारोहण समारोह पूर्वक किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह सभी कार्यक्रम अप्रैल माह में ही होंगे।

3 सड़कों को मिली स्वीकृतिः3.83 करोड़ की लागत से होगा निर्माण, लोगों को मिलेगी राहत

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ क्षेत्र में तीन महत्वपूर्ण संपर्क मार्गों के निर्माण को स्वीकृति मिल गई है। इन परियोजनाओं पर कुल 3.83 करोड़ रुपये की लागत आएगी, जिससे लंबे समय से खराब सड़कों की समस्या से जूझ रही जनता को बड़ी राहत मिलेगी। यह स्वीकृति मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर विधायक विनय वर्मा के प्रयासों से मिली है। स्वीकृत परियोजनाओं में इंडो–नेपाल बॉर्डर से बाबा असरफ्दास समाधि स्थल तक 54.17 लाख रुपए की लागत से संपर्क मार्ग का निर्माण शामिल है। इसके अतिरिक्त, ढेकहरी बुजुर्ग से ढेकहरी खुर्द तक मिसिंग लिंक का निर्माण 205.23 लाख रुपए में होगा, और ग्रामसभा बसहिया समयमाता स्थान तक मिसिंग लिंक मार्ग का निर्माण 123.70 लाख रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा। इन सड़कों के निर्माण से क्षेत्र के दर्जनों गांवों को सीधा लाभ मिलेगा। वर्षों से आवागमन की समस्या का सामना कर रहे स्थानीय निवासियों के लिए स्कूल, बाजार और अस्पताल तक पहुंचना आसान हो जाएगा। स्थानीय लोगों के अनुसार, इन मार्गों की हालत पहले बेहद खराब थी, जिसके कारण उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ग्रामीणों ने कई बार इन सड़कों की मरम्मत के लिए आंदोलन और विरोध प्रदर्शन भी किए थे। अब स्वीकृति मिलने के बाद लोगों को जल्द ही बेहतर सड़क सुविधा मिलने की उम्मीद है। विधायक विनय वर्मा ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय जनता की मांग के अनुरूप है। उन्होंने आश्वासन दिया कि निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराकर निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा।

चार साल पहले युवक की नृशंस हत्या में सात दोषियों को उम्रकैद, दो महिलाएं बरी

संवाददाता–अयोध्या। वर्ष 2022 में विवेक वर्मा (30) की पीटकर हत्या करने वाले दो सगे भाइयों अरविंद वर्मा व अजय वर्मा समेत सात दोषियों को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। सभी अभियुक्तों को मारपीट करने, हड्डी तोड़ने और जान से मारने के प्रयास में सात साल छह माह के कारावास की सजा भी दी गई है। दोनों सजाएं साथ–साथ चलेंगी। यह फैसला फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वितीय के न्यायाधीश रवि कुमार गुप्ता ने सोमवार को सुनाया है। कोतवाली बीकापुर क्षेत्र के सेमरा गांव में दो अगस्त 2022 को खेत की जोताई करने गए हैबतपुर निवासी विवेक वर्मा व उदयभान पर अरविंद वर्मा व अजय वर्मा, मयाराम वर्मा व उनके पुत्र अनिल, भारत व उनके पुत्र सोनू वर्मा, रवि शंकर व मुकेश सहित कई लोगों ने हमला कर दिया था। मामला भूमि विवाद को लेकर था। पिटाई से विवेक की मौत हो गई थी। मामले की सुनवाई के दौरान मयाराम की मौत हो गई। फैसले में दो महिलाओं गीता वर्मा और रीता वर्मा को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स की धीमी प्रगति, ठेकेदार पर लगेगी पेनाल्टी

संवाददाता–गोरखपुर। महापौर डॉ.मंगलेश श्रीवास्तव और नगर आयुक्त गौरव सिंह सोगरवाल ने नगर निगम के पुराने कार्यालय भवन में बन रहे म्यूजियम का निरीक्षण किया। इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट नगर में बन रहे कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स एवं एकला बंधा पर चल रहे सुंदरीकरण कार्य का निरीक्षण किया गया। कमर्शियल कॉम्प्लेक्स की धीमी प्रगति पर मुख्य अभियंता को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण में ट्रांसपोर्ट नगर में बन रहे कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य काफी धीमा पाया गया। नगर आयुक्त ने पिछले दिनों भी निरीक्षण के बाद संतोषजनक प्रगति नहीं होने पर ठेकेदार को फटकार लगाई थी। एक बार फिर धीमी प्रगति पर वह नाराज हुए। नगर आयुक्त ने संबंधित ठेकेदार को नोटिस देते हुए पेनाल्टी लगाने के लिए मुख्य अभियंता को निर्देशित किया है। इसके साथ ही राप्ती नदी के किनारे एकला बंधा के सुंदरीकरण कार्य को हर हाल में 10 अप्रैल तक पूरा कराने का निर्देश दिया। महापौर ने म्यूजियम के कार्य को तय समय सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त, मुख्य अभियंता, अधिशासी अभियंता एवं अन्य उपस्थित रहे।

क्रय केंद्र खुले लेकिन बोहनी नहीं, गेहूं की कटाई शुरू

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर जनपद में गेहूं की कटाई सोमवार से शुरू हो गई है। वहीं रबी विपणन वर्ष 2026–27 के तहत 15 जून तक चलने वाली गेहूं खरीद के लिए क्रय केंद्र भी खुल गए हैं। हालांकि खरीद के पहले दिन क्रय केंद्र पर गेहूं लेकर कोई किसान नहीं पहुंचा। जिला खाद्य विपणन अधिकारी अरविंद कुमार दुबे ने संभागीय खाद्य विभाग के मोतीराम अड्डा और चौरीचौरा गेहूं विक्रय केंद्र का निरीक्षण कर जरूरी दिशा निर्देश दिए। दावा किया कि खरीद व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य गतवर्ष के सापेक्ष 160 रुपये की बढ़ोतरी करते हुए 2585 रुपये प्रति कुंतल निर्धारित है। वहीं, किसानों को उतराई, सफाई और छनाई के लिए प्रति कुंतल 20 रुपये का अतिरिक्त भुगतान मिलेगा। गोरखपुर जनपद में इस वर्ष लगभग 1.91 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल में गेहूं की खेती की गई है, जिससे करीब 8.80 लाख मीट्रिक टन उत्पादन का अनुमान है। जिला खाद्य विपणन अधिकारी कार्यालय ने इस वर्ष बड़े पैमाने पर खरीद की व्यवस्था की गई है, जिससे किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत न हो। जिले में कुल 120 गेहूं क्रय केंद्रों को मंजूरी दी गई है, जिनमें खाद्य विभाग के 46, पीसीएफ 38, पीसीयू 25, यूपीएसएस 10 और अन्य एजेंसियां शामिल हैं। इन केंद्रों के स्थाई और मोबाइल गेहूं क्रय केंद्र के माध्यम से किसानों से सीधे गेहूं की खरीद की जाएगी।जिला खाद्य विपणन अधिकारी अरविंद कुमार दुबे कहते हैं,'इस बार पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से खरीद सुनिश्चित की जाएगी, जिससे किसानों को समय पर भुगतान और बेहतर सुविधा मिल सके। किसान भाइयों को चाहिए वे अपने पंजीकरण का नवीनीकरण करा लें। ताकि सत्यापन की प्रक्रिया जल्द पूरी की जा सके।'पिछली बार लक्ष्य के सापेक्ष 13.66 फीसदी हुई थी खरीदपिछले रबी विपणन वर्ष 2025–26 में जिले में 2896 किसानों से कुल 8127.62 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई थी, जो लक्ष्य का लगभग 13.66 प्रतिशत ही था।

इस बार खरीद प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए प्रशासन ने विशेष जोर दिया है।2800 किसानों ने कराया पंजीकरणवर्तमान सत्र में अब तक 2800 किसानों ने गेहूं बेचने के लिए पंजीकरण कराया है। किसान भाई खाद्य विभाग के पोर्टल बि.नच. हवश.पद पर ऑनलाइन पंजीकरण या नवीनीकरण करा सकते हैं।ओटीपी आधारित पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध है, जिसके लिए वर्तमान मोबाइल नंबर दर्ज करना अनिवार्य होगा।

प्रभु से संबंध बनाने के लिए हृदय में सच्चा प्रेम होना चाहिए – शिवबली

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। बस्ती कांवरिया संघ चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा आयोजित प्रभु संबंध अभियान व श्रीमद् भागवत कथा के दूसरे दिन ब्रह्मचारी शिवबली चौबे जी महाराज ने कहा कि प्रभु (ईश्वर) से संबंध बनाने के लिए हृदय में सच्चा प्रेम, विश्वास और निरंतर स्मरण की आवश्यकता होती है। इसके लिए प्रतिदिन प्रार्थना, भक्ति (सुमिरन), सेवा, और पवित्र जीवन जीने का प्रयास करें। उन्हें अपना सखा, माता, पिता या स्वामी मानकर अपना सुख–दुःख साझा करें, जिससे निस्वार्थ प्रेम और समर्पण का भाव जगे।

स्टेशन रोड स्थित एक होटल के परिसर में आयोजित कथा में उन्होंने कहा कि भगवान को केवल ज्ञान या कर्म से नहीं, बल्कि निस्वार्थ प्रेम से ही प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें अपना सब कुछ सौंपकर समर्पण का भाव अपनाएं। जब आप संसार में काम कर रहे हों, तब भी मन में प्रभु का नाम (कृष्ण, राम, हरि) जपते रहें। उनके अस्तित्व को हर वस्तु में महसूस करें। जरूरतमंदों की सहायता करें, गाय को रोटी, पक्षियों को दाना दें, क्योंकि ईश्वर हर प्राणी में बसते हैं।

उन्होंने कहा कि भक्तों की सेवा करने से भी ईश्वर प्रसन्न होते हैं। पवित्र ग्रंथों का पाठ करें और ईश्वर से सीधी बात (प्रार्थना) करें, जैसे किसी मित्र से बात करते हैं। अपनी परेशानियों में भी ईश्वर पर भरोसा रखें कि वे आपकी रक्षा करेंगे और सही राह दिखाएंगे। गलत कार्यों से बचें और आत्म–सुधार पर ध्यान दें। भगवते नमः कहने से जीवन के सभी दुःख मिट जाते हैं। आरती व प्रसाद वितरण के उपरांत दूसरे दिन की कथा का समापन हुआ। कथा के बीच–बीच में भजन गायक संजय जी के द्वारा कर्णप्रिय भजन प्रस्तुत किए गए।

इस दौरान विवेक गिरोत्रा, सुनील कुमार गुप्ता, संजय द्विवेदी, गौरव साहू, रोहन गुप्ता भावेश कुमार पाण्डेय, विजय गुप्ता, दिनेश चंद्र जायसवाल, हिमांशु सोनी, बसंत लाल पंसारी, शिव कुमार गुप्ता, रामकृष्ण गुप्ता, संजय गाड़िया, हरिशंकर गुप्ता, रामकृष्ण वर्मा, आशुतोष पांडे, प्रमोद कुमार गुप्ता, राजेंद्र कुमार चौधरी, संतोष कुमार सिंह, संतोष सोनी, ध्रुव कुमार गुप्ता, रविंद्र तिवारी, युग अग्रवाल, कुणाल कसौधन, अर्थव पाण्डेय, गौरी सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

पूर्व विधायक शीतल पांडेय के पुत्र का निधन, सीएम ने जताया शोक

संवाददाता–गोरखपुर। सहजनवा विधानसभा से भाजपा के पूर्व विधायक शीतल पांडेय के पुत्र मानवेन्द्र पांडेय का मंगलवार को एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान निधन हो गया। वह पिछले कुछ दिनों से बीमार चल रहे थे। उनके निधन पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने अपनी शोक संवेदना में कहा है कि पूर्व विधायक शीतल पांडेय के पुत्र के आकस्मिक निधन का समाचार सुनकर अत्यन्त दुःख हुआ। पुत्र का निधन किसी भी परिवार के लिए अपूरणीय क्षति एवं पीड़ादायक होता है। महायोगी गुरु गोरखनाथ जी से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को चिर–शांति प्रदान करें। परिवारजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति दें। निधन पर सांसद रवि किशन शुक्ला, भाजपा नेता मनीष सिंह आदि ने शोक संवेदना व्यक्त की है।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी अब्दुल वहीद पुत्र श्री वली मोहम्मद ग्राम– सहबाजपुर पोस्ट– बभनान बाजार थाना– गौर जनपद बस्ती का निवासी है। मेरा लड़का मोहम्मद सलमान परिवार की बात नहीं मानता है। आये दिन गालियां देते हुये जान से मारने की धमकी देता है। उसके व्यवहार से हम पति, पत्नी और पूरा परिवार दुःखी है। इसे देखते हुये मैं उसे 31–3–2026 से अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। मोहम्मद सलमान अपने किसी भी कृत्य लेन देन, वाद, विवाद के लिये स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे ।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान ग्राम न्यायालय महोदय रुधौली जिला–बस्ती

वाद सं0–122 / 2017

जुटई

बनाम

श्रीमती राजदेई आदि

1. श्रीमती राजदेई उम्र 70 साल पत्नी देवई साकिन महरादेउर पोस्ट कोहरा तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती 2. रामवृझारत उम्र 50 साल पुत्र रामचरन साकिन भादीखुर्द तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 18–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–195 / 2025

रामललक वर्मा

बनाम

बृजेश सिंह आदि

1. बृजेश सिंह 2. मुकेश सिंह 3. विपिन सिंह पुत्रगण हरिश्चन्द्र 4. हरिश्चन्द्र पुत्र हरिद्वार सिंह साकिनान मौजा हटवा तप्पा बनगवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 28–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 28 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com